Series &RQPS/S

Set – 3

प्रश्न-पत्र कोड
Q.P. Code **61/S/3**

अनुक्रमांक
Roll No.

परीक्षार्थी प्रश्न-पत्र कोड को उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर अवश्य लिखें ।
Candidates must write the Q.P. Code on the title page of the answer-book.

- *कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में मुद्रित पृष्ठ **21 + 1** मानचित्र हैं ।*
- *कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में **34** प्रश्न हैं ।*
- *प्रश्न-पत्र में दाहिने हाथ की ओर दिए गए प्रश्न-पत्र कोड को परीक्षार्थी उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर लिखें ।*
- ***कृपया प्रश्न का उत्तर लिखना शुरू करने से पहले, उत्तर-पुस्तिका में प्रश्न का क्रमांक अवश्य लिखें ।***
- *इस प्रश्न-पत्र को पढ़ने के लिए 15 मिनट का समय दिया गया है । प्रश्न-पत्र का वितरण पूर्वाह्न में 10.15 बजे किया जाएगा । 10.15 बजे से 10.30 बजे तक छात्र केवल प्रश्न-पत्र को पढ़ेंगे और इस अवधि के दौरान वे उत्तर-पुस्तिका पर कोई उत्तर नहीं लिखेंगे ।*
- *Please check that this question paper contains **21** printed pages **+ 1** Map.*
- *Please check that this question paper contains **34** questions.*
- *Q.P. Code given on the right hand side of the question paper should be written on the title page of the answer-book by the candidate.*
- ***Please write down the serial number of the question in the answer-book before attempting it.***
- *15 minute time has been allotted to read this question paper. The question paper will be distributed at 10.15 a.m. From 10.15 a.m. to 10.30 a.m., the students will read the question paper only and will not write any answer on the answer-book during this period.*

इतिहास
HISTORY

निर्धारित समय : 3 घण्टे | *अधिकतम अंक : 80*

Time allowed : 3 hours | *Maximum Marks : 80*

सामान्य निर्देश :

निम्नलिखित निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़िए और उनका पालन कीजिए :

(i) *इस प्रश्न-पत्र में **34** प्रश्न हैं। **सभी** प्रश्न **अनिवार्य** हैं।*

(ii) *प्रश्न-पत्र **पाँच** खण्डों में विभाजित है – **खण्ड क**, **ख**, **ग**, **घ** एवं **ङ**।*

(iii) ***खण्ड क** – प्रश्न संख्या **1** से **21** बहुविकल्पीय प्रकार के प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न **1** अंक का है।*

(iv) ***खण्ड ख** – प्रश्न संख्या **22** से **27** लघु-उत्तरीय प्रकार के प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न **3** अंकों का है। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर **60** से **80** शब्दों में लिखिए।*

(v) ***खण्ड ग** – प्रश्न संख्या **28** से **30** दीर्घ-उत्तरीय (LA) प्रकार के प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न 8 अंकों का है। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर **300** से **350** शब्दों में लिखिए।*

(vi) ***खण्ड घ** – प्रश्न संख्या **31** से **33** तीन उप-प्रश्नों वाले स्रोत-आधारित प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न **4** अंकों का है।*

(vii) ***खण्ड ङ** – प्रश्न संख्या **34** मानचित्र-आधारित प्रश्न है जिसमें महत्त्वपूर्ण परीक्षण वस्तुओं की पहचान और स्थान शामिल हैं। यह प्रश्न **5** अंकों का है। मानचित्र को उत्तर-पुस्तिका के साथ संलग्न करें।*

(viii) *प्रश्न-पत्र में समग्र विकल्प नहीं दिया गया है। यद्यपि, प्रश्न-पत्र के खण्ड ख, ग तथा ङ में आंतरिक विकल्प का प्रावधान दिया गया है। परीक्षार्थी को इन प्रश्नों में से किसी एक प्रश्न का उत्तर लिखना है।*

(ix) *इसके अतिरिक्त, ध्यान दें कि दृष्टिबाधित परीक्षार्थियों के लिए फोटो तथा मानचित्र आदि आधारित प्रश्नों के स्थान पर एक अन्य प्रश्न दिया गया है। इन प्रश्नों के उत्तर केवल दृष्टिबाधित परीक्षार्थी ही लिखें।*

खण्ड क

(बहुविकल्पीय प्रकार के प्रश्न) ***21×1=21***

1. मार्को पोलो का संबंध निम्नलिखित में से किस देश से था ?

(A) रूस (B) इटली

(C) फ्रांस (D) पुर्तगाल

2. निम्नलिखित में से कौन-सी मुगलों की भू-राजस्व प्रणाली थी ?

(A) इजारेदारी प्रणाली

(B) इक्ता प्रणाली

(C) मनसबदारी प्रणाली

(D) महानायक प्रणाली

General Instructions :

Read the following instructions carefully and follow them :

(i) *This question paper contains **34** questions. **All** questions are **compulsory**.*

(ii) *Question paper is divided into **five** Sections – **Sections A, B, C, D** and **E**.*

(iii) ***Section A** – questions number **1** to **21** are Multiple Choice type questions. Each question carries **1** mark.*

(iv) ***Section B** – questions number **22** to **27** are Short Answer type questions. Each question carries **3** marks. Write answer to each question in **60** to **80** words.*

(v) ***Section C** – questions number **28** to **30** are Long Answer (LA) type questions. Each question carries **8** marks. Write answer to each question in **300** to **350** words.*

(vi) ***Section D** – questions number **31** to **33** are Source-based questions having three sub-questions. Each question carries **4** marks.*

(vii) ***Section E** – question number **34** is Map-based question that includes the identification and location of significant test items. This question carries **5** marks. Attach the Map with the answer-book.*

(viii) *There is no overall choice. However, an internal choice has been provided in Sections B, C and E of question paper. A candidate has to write answer for only one of the alternatives in such questions.*

(ix) *In addition to this, Note that a separate question has been provided for Visually Impaired candidates in lieu of questions having visual inputs, Map etc. Such questions are to be attempted by Visually Impaired candidates only.*

SECTION A

(Multiple Choice Type Questions) ***21×1=21***

1. Which one of the following countries did Marco Polo belong to ?

(A) Russia (B) Italy

(C) France (D) Portugal

2. Which one of the following was the land revenue system of the Mughals ?

(A) Ijaradari System

(B) Iqta System

(C) Mansabdari System

(D) Mahanayak System

3. उस विदेशी यात्री की पहचान कीजिए जिसने भूमि पर मुगलों के राजकीय स्वामित्व के दुष्प्रभावों की बात अपनी पुस्तक में लिखी :

(A) अल-बिरुनी

(B) फ्राँस्वा बर्नियर

(C) इब्न बतूता

(D) डोमिंगो पेस

4. नीचे दो कथन दिए गए हैं, अभिकथन (A) और कारण (R) । इनको ध्यानपूर्वक पढ़िए और सही विकल्प का चयन कीजिए :

अभिकथन (A) : हम्पी के भग्नावशेष 1800 ई. में एक अभियंता तथा पुराविद कर्नल कॉलिन मैकेन्ज़ी द्वारा प्रकाश में लाए गए थे।

कारण (R) : विरुपाक्ष मंदिर और हम्पी के अन्य मंदिरों से कई दर्जन अभिलेख मिले थे।

विकल्प :

(A) अभिकथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं और कारण (R), अभिकथन (A) की सही व्याख्या करता है।

(B) अभिकथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं, परन्तु कारण (R), अभिकथन (A) की सही व्याख्या ***नहीं*** करता है।

(C) अभिकथन (A) सही है, परन्तु कारण (R) ग़लत है।

(D) अभिकथन (A) ग़लत है, परन्तु कारण (R) सही है।

5. बुद्ध के अनुयायियों के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों को पढ़िए और सही विकल्प का चयन कीजिए :

I. महाप्रजापति गौतमी संघ में आने वाली पहली महिला थी जो भिक्खुणी बनीं।

II. कई स्त्रियाँ जो संघ में आईं, वे धम्म की उपदेशिकाएँ बन गईं।

III. बुद्ध के अनुयायी कई सामाजिक वर्गों से आए, जिनमें राजा और दास भी थे।

IV. एक बार संघ में आ जाने पर, सभी को धम्म महामात्य माना जाता था।

विकल्प :

(A) I और II (B) I, II और IV

(C) I और III (D) I, II और III

3. Identify the foreign traveller who wrote about the ill-effects of the Mughal crown's ownership of land in his book :

(A) Al-Biruni

(B) François Bernier

(C) Ibn Battuta

(D) Domingo Paes

4. Two statements labelled as Assertion (A) and Reason (R) are given below. Read them carefully and select the correct option :

Assertion (A) : The ruins of Hampi were brought to light in 1800 AD by an engineer and antiquarian named Colonel Colin Mackenzie.

Reason (R) : Dozens of inscriptions were found from the Virupaksha temple and other temples at Hampi.

Options :

(A) Both Assertion (A) and Reason (R) are true and Reason (R) is the correct explanation of the Assertion (A).

(B) Both Assertion (A) and Reason (R) are true, but Reason (R) is ***not*** the correct explanation of the Assertion (A).

(C) Assertion (A) is true, but Reason (R) is false.

(D) Assertion (A) is false, but Reason (R) is true.

5. Read the following statements regarding the followers of the Buddha and choose the correct option :

I. Mahapajapati Gotami was the first woman to be ordained as a Bhikkhuni.

II. Many women who entered the Sangha became the teachers of Dhamma.

III. The Buddha's followers came from many social groups, including kings and slaves.

IV. Once within the Sangha, all were regarded as Dhamma Mahamatya.

Options :

(A) I and II (B) I, II and IV

(C) I and III (D) I, II and III

6. नीचे दिए गए विकल्पों में से उपयुक्त विकल्प द्वारा रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए :
विद्वानों ने अनुमान लगाया है कि मोहनजोदड़ो में कुओं की कुल संख्या लगभग _____ थी।

(A) 600 (B) 500
(C) 400 (D) 700

7. दिए गए चित्र की निम्नलिखित विकल्पों से पहचान कीजिए :

(A) सिंह शीर्ष (B) कुषाण की मूर्ति
(C) साँची की मूर्ति (D) प्रयाग प्रशस्ति

नोट : *निम्नलिखित प्रश्न केवल* ***दृष्टिबाधित परीक्षार्थियों*** *के लिए प्र. सं. 7 के स्थान पर है :*
सुदर्शन झील, कृत्रिम जलाशय की मरम्मत निम्नलिखित में से किस राजा ने की थी ?

(A) कुषाण राजा, कनिष्क (B) शक राजा, रुद्रदामन
(C) कन्नौज राजा, हर्ष (D) गुप्त राजा, चन्द्रगुप्त द्वितीय

8. निम्नलिखित में से कौन-सी वकाटक् रानी थी ?

(A) प्रभावती गुप्त (B) गौतमी
(C) सुभद्रा (D) दिथ्या

9. निम्नलिखित में से कौन-सी मगध की राजधानी थी ?

(A) राजगाह (B) वैशाली
(C) उज्जैन (D) तक्षशिला

6. Fill in the blank with the appropriate option out of those given below :

Scholars have estimated that the total number of wells in Mohenjodaro was about _____.

(A) 600 (B) 500

(C) 400 (D) 700

7. Identify the given image from the following options :

(A) Lion Capital (B) Sculpture of Kushans

(C) Sanchi Sculpture (D) Prayaga Prashasti

Note : *The following question is for the* ***Visually Impaired Candidates*** *only, in lieu of Q. no. 7.*

Who among the following kings repaired the Sudarshana lake, an artificial reservoir ?

(A) Kushana king, Kanishka (B) Shaka king, Rudradaman

(C) Kanauj ruler, Harsha (D) Gupta king, Chandragupta II

8. Who among the following was the Vakataka queen ?

(A) Prabhavati Gupta (B) Gautami

(C) Subhadra (D) Dithya

9. Which one of the following was the capital of Magadha ?

(A) Rajagaha (B) Vaishali

(C) Ujjain (D) Taxila

10. हड़प्पा के अधिकांश स्थल निम्नलिखित में से किस प्रकार की भूमि पर स्थित थे ?

(A) शुष्क भूमि

(B) अर्ध-शुष्क भूमि

(C) आर्द्र भूमि

(D) रेगिस्तान भूमि

11. निम्नलिखित में से कौन आरा, बिहार से 1857 के विद्रोह के नेता थे ?

(A) शाहमल (B) बिरजिस क़द्र

(C) डंका शाह (D) कुँवर सिंह

12. गाँधीजी ने चरखे को राष्ट्रीय प्रतीक क्यों चुना ?

निम्नलिखित में से सर्वोपयुक्त विकल्प का चयन कीजिए :

(A) गाँधीजी ने चरखे को सत्य के प्रतीक के रूप में देखा।

(B) गाँधीजी ने चरखे को गरीबों के प्रतीक के रूप में देखा।

(C) गाँधीजी ने चरखे को मानव समाज के प्रतीक के रूप में देखा।

(D) गाँधीजी ने चरखे को स्वावलंबन के प्रतीक के रूप में देखा।

13. नीचे दिए गए विकल्पों में से उपयुक्त विकल्प द्वारा रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए :

_____ की सलाह पर, गाँधीजी ने एक वर्ष तक ब्रिटिश भारत की यात्रा की, जिससे वे इस भूमि और इसके लोगों को जान सके।

(A) बाल गंगाधर तिलक

(B) बिपिन चंद्र पाल

(C) लाला लाजपत राय

(D) गोपाल कृष्ण गोखले

10. On which of the following kinds of land were most of the Harappan sites located ?

(A) Arid land

(B) Semi-arid land

(C) Wetland

(D) Desert land

11. Who among the following was the leader of the 1857 Revolt from Arrah, Bihar ?

(A) Shah Mal (B) Birjis Qadr

(C) Danka Shah (D) Kunwar Singh

12. Why was the Charkha chosen as a national symbol by Gandhiji ? Choose the most suitable option from the following :

(A) Gandhiji saw the Charkha as a symbol of truth.

(B) Gandhiji saw the Charkha as a symbol of the poor.

(C) Gandhiji saw the Charkha as a symbol of human society.

(D) Gandhiji saw the Charkha as a symbol of self-reliance.

13. Fill in the blank with the appropriate option out of those given below :

On the advice of _____, Gandhiji spent a year travelling around British India, getting to know the land and its peoples.

(A) Bal Gangadhar Tilak

(B) Bipin Chandra Pal

(C) Lala Lajpat Rai

(D) Gopal Krishna Gokhale

14. निम्नलिखित में से भारत की संविधान सभा के अध्यक्ष कौन थे ?

(A) सरदार पटेल

(B) महात्मा गाँधी

(C) राजेन्द्र प्रसाद

(D) बी.आर. अम्बेडकर

15. बहादुर शाह ज़फर द्वितीय ने निम्नलिखित में से किस क्षेत्र से 1857 के विद्रोह का नेतृत्व किया ?

(A) दिल्ली

(B) लखनऊ

(C) अवध

(D) बैरकपुर

16. भारतीय इतिहास में संथाल विद्रोह को महत्त्वपूर्ण क्यों माना जाता है ? निम्नलिखित में से सर्वोपयुक्त विकल्प का चयन कीजिए :

(A) इसने राष्ट्रीय स्वतंत्रता आंदोलन की शुरुआत की।

(B) इसने इस्तमरारी बंदोबस्त को तत्काल समाप्त कर दिया।

(C) इसने सिपाहियों के माध्यम से 1857 के विद्रोह को सीधे तौर से भड़काया।

(D) इसने दामिन-ए-कोह के लोगों के प्रति अंग्रेजों की शोषणकारी प्रकृति को उजागर किया।

17. निम्नलिखित जानकारी की सहायता से सूफी संत की पहचान कीजिए :

- उनकी दरगाह दिल्ली में है।
- आमिर खुसरो उनके शिष्य थे।

(A) शेख मुइनुद्दीन चिश्ती

(B) ख्वाजा कुतबुद्दीन बख्तियार काकी

(C) शेख फरीदुद्दीन गंज-ए शकर

(D) शेख निज़ामुद्दीन औलिया

14. Who among the following was the President of the Constituent Assembly of India ?

(A) Sardar Patel

(B) Mahatma Gandhi

(C) Rajendra Prasad

(D) B.R. Ambedkar

15. From which one of the following regions did Bahadur Shah Zafar II represent the Revolt of 1857 ?

(A) Delhi

(B) Lucknow

(C) Awadh

(D) Barrackpore

16. Why is the Santhal rebellion considered significant in the Indian history ? Choose the most suitable option from the following :

(A) It marked the beginning of National Freedom Movement.

(B) It led to the immediate abolition of Permanent Settlement.

(C) It directly sparked the Revolt of 1857 through sepoys.

(D) It highlighted the exploitative nature of the British towards people of Damin-e-Koh.

17. Identify the Sufi saint with the help of following information :

- His dargah is in Delhi.
- Amir Khusrau was his disciple.

(A) Shaikh Muinuddin Chishti

(B) Khwaja Qutbuddin Bakhtiyar Kaki

(C) Shaikh Fariduddin Ganj-i Shakar

(D) Shaikh Nizamuddin Auliya

18. कबीर के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों को पढ़िए और सही विकल्प का चयन कीजिए :

I. कबीर की बानी चार विशिष्ट परंपराओं में संकलित हैं।

II. कबीर की कविताएँ केवल उर्दू भाषा में उपलब्ध हैं।

III. कबीर ने परम सत्यता को वर्णित करने के लिए अनेक परंपराओं का सहारा लिया है।

IV. कबीर परम सत्यता को अल्लाह, आत्मा, हज़रत और निराकार कहते हैं।

विकल्प :

(A) I और II (B) III और IV

(C) II और III (D) I और IV

19. अल-बिरुनी ने अपनी पुस्तक '*किताब-उल-हिन्द*' के प्रत्येक अध्याय में निम्नलिखित में से किस विशिष्ट शैली का प्रयोग किया ?

(A) प्रश्न के साथ आरंभ (B) कविता के साथ आरंभ

(C) चित्र के साथ आरंभ (D) उद्धरण के साथ आरंभ

20. निम्नलिखित में से कौन '*अमुक्तमल्यद*' के लेखक थे ?

(A) कृष्णदेव राय (B) रामा राय

(C) हरिहर (D) बुक्का

21. निम्नलिखित में से किसने संविधान सभा में, 'उद्देश्य प्रस्ताव' पारित किया ?

(A) डब्ल्यू.सी. बैनर्जी

(B) जी.बी. पंत

(C) के.एम. मुंशी

(D) जवाहरलाल नेहरू

18. Read the following statements regarding Kabir and choose the correct option :

I. Verses ascribed to Kabir have been compiled in four distinct traditions.

II. Kabir's poems are available only in the Urdu language.

III. Kabir used many traditions to describe the ultimate reality.

IV. Kabir called ultimate reality as Allah, Atma, Hazrat and Nirakar.

Options :

(A) I and II (B) III and IV

(C) II and III (D) I and IV

19. Which one of the following distinct styles did Al-Biruni adopt in each chapter of his book *'Kitab-ul-Hind'* ?

(A) Beginning with a question (B) Beginning with a poem

(C) Beginning with a picture (D) Beginning with a quote

20. Who among the following was the author of *Amuktamalyada* ?

(A) Krishnadeva Raya (B) Rama Raya

(C) Harihara (D) Bukka

21. Who of the following introduced the 'Objectives Resolution' in the Constituent Assembly ?

(A) W.C. Bannerjee

(B) G.B. Pant

(C) K.M. Munshi

(D) Jawaharlal Nehru

खण्ड ख

(लघु-उत्तरीय प्रकार के प्रश्न) ***6×3=18***

22. (क) महाजनपदों की किन्हीं तीन विशेषताओं का वर्णन कीजिए। *3*

अथवा

(ख) मगध के एक शक्तिशाली महाजनपद में विकसित होने के किन्हीं तीन कारणों का वर्णन कीजिए। *3*

23. हिन्दू धर्म में मुक्तिदाता की अवधारणा का वर्णन कीजिए। *3*

24. विजयनगर साम्राज्य के विट्ठल मंदिर की विशेषताओं की परख कीजिए। *3*

25. (क) आर्थिक संसाधनों के प्रबंधन में मुगल साम्राज्य के विकास का विश्लेषण कीजिए। *3*

अथवा

(ख) मुगल साम्राज्य के कृषि समाज में एक संसाधन के रूप में महिलाओं की भूमिका का विश्लेषण कीजिए। *3*

26. "असहयोग आंदोलन में महात्मा गाँधी की भूमिका महत्त्वपूर्ण थी।" इस कथन की व्याख्या कीजिए। *3*

27. '1857 की आज़मगढ़ घोषणा' के किन्हीं तीन पहलुओं की व्याख्या कीजिए। *3*

खण्ड ग

(दीर्घ-उत्तरीय प्रकार के प्रश्न) ***3×8=24***

28. (क) "ऐसे साक्ष्य मिले हैं जिनके अनुसार 1800 ईसा पूर्व में अधिकांश हड़प्पा स्थलों का त्याग कर दिया गया था।"

कारणों और साक्ष्यों के संदर्भ में कथन की पुष्टि कीजिए। *8*

अथवा

(ख) "हड़प्पाई समाज में जटिल फैसले लेने और उन्हें कार्यान्वित करने के संकेत मिलते हैं।" उपयुक्त तर्कों सहित इस कथन की पुष्टि कीजिए। *8*

SECTION B

(Short-Answer Type Questions) *6×3=18*

22. (a) Describe any three features of the Mahajanapadas. *3*

OR

(b) Describe any three causes of the growth of Magadha as a powerful Mahajanapada. *3*

23. Describe the notion of saviour in Hinduism. *3*

24. Examine the features of Vitthala Temple of Vijayanagara empire. *3*

25. (a) Analyse the growth of the Mughal Empire in managing their economic resources. *3*

OR

(b) Analyse the role of women as a resource in the agrarian society of the Mughal Empire. *3*

26. "Mahatma Gandhi's role was vital in the Non-Cooperation Movement." Explain the statement. *3*

27. Explain any three aspects of 'the Azamgarh Proclamation of 1857'. *3*

SECTION C

(Long-Answer Type Questions) *3×8=24*

28. (a) "There is evidence that by c. 1800 BCE most of the Harappan sites had been abandoned."

Substantiate the statement in the context of causes and evidences. *8*

OR

(b) "There are indications of complex decisions being taken and implemented in Harappan society."

Substantiate the statement with suitable arguments. *8*

29. (क) बर्नियर के विवरणों ने भारतीय समाज का किस प्रकार का परिदृश्य प्रस्तुत किया ? परख कीजिए। *8*

अथवा

(ख) मुगल साम्राज्य पर बर्नियर के विचारों की परख कीजिए। *8*

30. (क) 'इस्तमरारी बंदोबस्त' के विभिन्न पहलुओं का विश्लेषण कीजिए। *8*

अथवा

(ख) 1830 से 1860 के दौरान बम्बई दक्कन में कपास में तेज़ी आने के कारणों का विश्लेषण कीजिए। *8*

खण्ड घ

(स्रोत-आधारित प्रश्न) *3×4=12*

31. दिए गए स्रोत को ध्यानपूर्वक पढ़िए और इसके नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए : *1+1+2=4*

शास्त्र या भक्ति ?

यह एक नयनार संत अप्पार द्वारा रचित एक कविता है :

हे कानून की किताबों का हवाला देने वाले लोगों,
आपके *गोत्र* और *कुल* किस काम के ?
बस अपने एकमात्र आश्रय के रूप में मार्पेरु के भगवान (तमिलनाडु के तंजावुर में मार्पेरु में रहने वाले शिव) को नमन कीजिए।

(31.1) नयनार कौन थे ? *1*

(31.2) एकमात्र आश्रयदाता किसे माना गया ? *1*

(31.3) भक्ति पर अप्पार के विचारों की व्याख्या कीजिए। *2*

32. दिए गए स्रोत को ध्यानपूर्वक पढ़िए और इसके नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए : *1+1+2=4*

द्रौपदी के प्रश्न

ऐसा माना जाता है कि द्रौपदी ने युधिष्ठिर से यह प्रश्न किया था कि वह उसे दाँव पर लगाने से पहले स्वयं को हार बैठे थे अथवा नहीं। इस प्रश्न के उत्तर में दो भिन्न मतों को प्रस्तुत किया गया।

प्रथम तो यह कि यदि युधिष्ठिर ने स्वयं को हार जाने के पश्चात् द्रौपदी को दाँव पर लगाया तो यह अनुचित नहीं क्योंकि पत्नी पर पति का नियंत्रण सदैव रहता है।

दूसरा यह कि एक दासत्व स्वीकार करने वाला पुरुष (जैसे उस क्षण युधिष्ठिर थे) किसी और को दाँव पर नहीं लगा सकता।

इन मुद्दों का कोई निष्कर्ष नहीं निकला और अंतत: धृतराष्ट्र ने सभी पांडवों और द्रौपदी को उनकी निजी स्वतंत्रता पुन: लौटा दी।

29. (a) How did Bernier's description present the scenario of Indian Society ? Examine. *8*

OR

(b) Examine Bernier's views on the Mughal Empire. *8*

30. (a) Analyse the different aspects of the 'Permanent Settlement'. *8*

OR

(b) Analyse the reasons of cotton boom in Bombay Deccan during 1830 to 1860. *8*

SECTION D

(Source-Based Questions) *3×4=12*

31. Read the given source carefully and answer the questions that follow : *1+1+2=4*

Shastras or devotion ?

This is a verse composed by Appar, a Nayanar saint :

O people who quote the law books,
Of what use are your *gotra* and *kula* ?
Just bow to Marperu's lord (Shiva who resides in Marperu, in Thanjavur, Tamil Nadu) as your sole refuge.

(31.1) Who were the Nayanars ? *1*

(31.2) Who was considered as the sole refugee ? *1*

(31.3) Explain the views of Appar on Bhakti. *2*

32. Read the given source carefully and answer the questions that follow : *1+1+2=4*

Draupadi's question

Draupadi is supposed to have asked Yudhisthira whether he had lost himself before staking her. Two contrary opinions were expressed in response to this question.

One, that even if Yudhisthira had lost himself earlier, his wife remained under his control, so he could stake her.

Two, that an unfree man (as Yudhisthira was when he had lost himself) could not stake another person.

The matter remained unresolved; ultimately, Dhritarashtra restored to the Pandavas and Draupadi their personal freedom.

(32.1) सभा से द्रौपदी का क्या प्रश्न था ? *1*

(32.2) सभा में द्रौपदी के प्रश्नों ने सामाजिक मानदंडों की धारणाओं को फिर से परिभाषित कैसे किया ? *1*

(32.3) "द्रौपदी का चरित्र विभिन्न गुणों को दर्शाता था।" किन्हीं दो की व्याख्या कीजिए। *2*

33. दिए गए स्रोत को ध्यानपूर्वक पढ़िए और इसके नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए : *1+1+2=4*

"हम सिर्फ नकल करने वाले नहीं हैं"

13 दिसम्बर, 1946 को अपने प्रसिद्ध भाषण में जवाहरलाल नेहरू ने यह कहा था :

...हमने एक स्वतंत्र संप्रभु गणराज्य की स्थापना का दृढ़ और पवित्र संकल्प लिया है। भारत का संप्रभु होना नियत है। इसका स्वतंत्र होना और गणराज्य होना भी स्वाभाविक है...। कुछ मित्रों ने सवाल उठाया है : "आपने यहाँ 'लोकतांत्रिक' शब्द क्यों नहीं रखा।" मैंने उन्हें कहा है कि निस्संदेह यह सोचा जा सकता है कि कोई गणराज्य लोकतांत्रिक न हो परंतु हमारा पूरा इतिहास इस तथ्य का साक्षी है कि हम लोकतांत्रिक संस्थानों के ही पक्षधर हैं। स्वाभाविक है कि हमारा लक्ष्य लोकतंत्र है। लोकतंत्र से कम कुछ भी नहीं। यह लोकतंत्र कैसा होगा, उसकी शक्ल-सूरत कैसी होगी, यह एक अलग मसला है ? आज के लोकतंत्रों ने दुनिया की प्रगति में जबरदस्त भूमिका निभायी है और उनमें से बहुत सारे यूरोप तथा अन्य स्थानों के देश हैं। परंतु यह संदेहजनक हो सकता है कि अगर उन्हें पूरी तरह लोकतांत्रिक बने रहना है तो न जाने कब उन लोकतंत्रों को अपनी शक्ल-सूरत थोड़ी बहुत बदलनी पड़ती। मैं आशा करता हूँ कि किसी कथित लोकतांत्रिक देश की एक खास लोकतांत्रिक प्रणाली या किसी संस्थान विशेष की हम सिर्फ नकल करने वाले नहीं हैं। हो सकता है कि हम उससे बेहतर कुछ रच दें। बहरहाल, किसी भी सूरत में, हम यहाँ जैसी चाहे सरकार बनाएँ, वह हमारे लोगों के स्वभाव के अनुरूप और उनको स्वीकार्य जरूर होनी चाहिए। हम लोकतंत्र के हक में हैं। यह इस सदन को तय करना है कि इस लोकतंत्र, पूर्णतम लोकतंत्र का स्वरूप कैसा होगा। सदन इस बात को देख सकता है यद्यपि इस प्रस्ताव में हमने "लोकतांत्रिक" शब्द का इस्तेमाल नहीं किया है क्योंकि हमें लगा कि यह तो स्वाभाविक ही है कि "गणराज्य" शब्द में यह शब्द पहले ही निहित होता है। इसलिए हम अनावश्यक और अनुपयोगी शब्दों का प्रयोग नहीं करना चाहते थे। हमने शब्दों के उपयोग मात्र से कहीं ज्यादा ध्यान दिया है। हमने इस प्रस्ताव में लोकतंत्र की अंतर्वस्तु प्रस्तुत की है। बल्कि लोकतंत्र की ही नहीं, आर्थिक लोकतंत्र की अंतर्वस्तु प्रस्तुत की है। अन्य सदस्यों को इस बात पर आपत्ति हो सकती है कि इस प्रस्ताव में हमने भारत को एक समाजवादी राज्य बनाने का उल्लेख क्यों नहीं किया है। यहाँ मेरा केवल इतना ही कहना है कि मैं समाजवाद का समर्थक हूँ और मुझे आशा है कि एक दिन भारत भी समाजवाद के पक्ष में होगा और वही भारत एक समाजवादी राज्य की स्थापना के मार्ग पर चलेगा और मुझे पूरा विश्वास है कि एक दिन पूरी दुनिया को इसी मार्ग पर चलना होगा।

स्रोत : संविधान सभा बहस (CAD), खंड I

(33.1) नेहरू ने प्रस्ताव में 'लोकतांत्रिक' शब्द क्यों शामिल नहीं किया ? *1*

(33.2) प्रस्ताव में आर्थिक लोकतंत्र के महत्त्व का विश्लेषण कीजिए। *1*

(33.3) समाजवाद पर जवाहरलाल नेहरू के विचारों का विश्लेषण कीजिए। *2*

(32.1) What was Draupadi's question to the Assembly ? *1*

(32.2) How did Draupadi's questions in the Assembly redefine the notions of societal norms ? *1*

(32.3) "Draupadi's character represented various virtues." Explain any two. *2*

33. Read the given source carefully and answer the questions that follow : *1+1+2=4*

"We are not going just to copy"

This is what Jawaharlal Nehru said in his famous speech of 13 December, 1946 :

...We say that it is our firm and solemn resolve to have an independent sovereign republic. India is bound to be sovereign, it is bound to be independent and it is bound to be a republic... Now, some friends have raised the question : "Why have you not put in the word 'democratic' here ?" Well, I told them that it is conceivable, of course, that a republic may not be democratic but the whole of our past is witness to this fact that we stand for democratic institutions. Obviously we are aiming at democracy and nothing less than a democracy. What form of democracy, what shape it might take is another matter. The democracies of the present day, many of them in Europe and elsewhere, have played a great part in the world's progress. Yet it may be doubtful if those democracies may not have to change their shape somewhat before long if they have to remain completely democratic. We are not going just to copy, I hope, a certain democratic procedure or an institution of a so-called democratic country. We may improve upon it. In any event whatever system of government we may establish here must fit in with the temper of our people and be acceptable to them. We stand for democracy. It will be for this House to determine what shape to give to that democracy, the fullest democracy, I hope. The House will notice that in this Resolution, although we have not used the word "democratic" because we thought it is obvious that the word "republic" contains that word and we did not want to use unnecessary words and redundant words, but we have done something much more than using the word. We have given the content of democracy in this Resolution and not only the content of democracy but the content, if I may say so, of economic democracy in this Resolution. Others might take objection to this Resolution on the ground that we have not said that it should be a Socialist State. Well, I stand for Socialism and, I hope, India will stand for Socialism and that India will go towards the constitution of a Socialist State and I do believe that the whole world will have to go that way.

Source : CONSTITUENT ASSEMBLY DEBATES (CAD), VOL. I

(33.1) Why did Nehru not include the word 'Democratic' in the Resolution ? *1*

(33.2) Analyse the significance of economic democracy in the resolution. *1*

(33.3) Analyse Jawaharlal Nehru's views on Socialism. *2*

खण्ड ङ

(मानचित्र-आधारित प्रश्न) *3+2=5*

34. (34.1) **भारत** के दिए गए राजनीतिक रेखा-मानचित्र (पृष्ठ 23 पर) में, निम्नलिखित को उपयुक्त चिह्नों से अंकित कीजिए और उनके नाम लिखिए : *3×1=3*

(i) कालीबंगा – विकसित हड़प्पा पुरास्थल

(ii) कौशाम्बी – अशोक के अभिलेख

(iii) (क) कलकत्ता – अंग्रेज़ों के अधीन शहर

अथवा

(iii) (ख) लखनऊ – अंग्रेज़ों के अधीन शहर

(34.2) **भारत** के इसी राजनीतिक रेखा-मानचित्र पर मुगल साम्राज्य से संबंधित दो स्थानों को A और B के रूप में चिह्नित किया गया है । इनकी पहचान कीजिए और उनके सही नाम उनके निकट खींची गई रेखाओं पर लिखिए। *2*

नोट : *निम्नलिखित प्रश्न केवल* ***दृष्टिबाधित परीक्षार्थियों*** *के लिए प्र. सं.* ***34*** *के स्थान पर हैं :*

(34.1) मुगलों के अधीन किन्हीं दो क्षेत्रों के नाम लिखिए। *2*

(34.2) 1857 के विद्रोह के किन्हीं दो केन्द्रों के नाम लिखिए। *2*

(34.3) (क) हड़प्पा के किसी एक विकसित पुरास्थल का नाम लिखिए। *1*

अथवा

(34.3) (ख) प्राचीन भारत के किसी एक महाजनपद का नाम लिखिए। *1*

SECTION E

(Map-Based Questions) *3+2=5*

34. (34.1) On the given political outline map of **India** (on page 23), locate and label the following with appropriate symbols : *3×1=3*

(i) Kalibangan – Mature Harappan site

(ii) Kaushambi – Ashokan Inscription

(iii) (a) Calcutta – A city under the British

OR

(iii) (b) Lucknow – A city under the British

(34.2) On the same outline map of India, two places related to the Mughal Empire are marked as A and B. Identify them and write their correct names on the lines drawn near them. *2*

Note : *The following questions are for the* ***Visually Impaired Candidates*** *only, in lieu of Q. No.* ***34*** *:*

(34.1) Name any two territories under the Mughals. *2*

(34.2) Mention any two centres of Revolt of 1857. *2*

(34.3) (a) Mention any one mature site of Harappa. *1*

OR

(34.3) (b) Mention the name of any one Mahajanapada of ancient India. *1*

प्रश्न सं. 34 के लिए **For question no. 34**

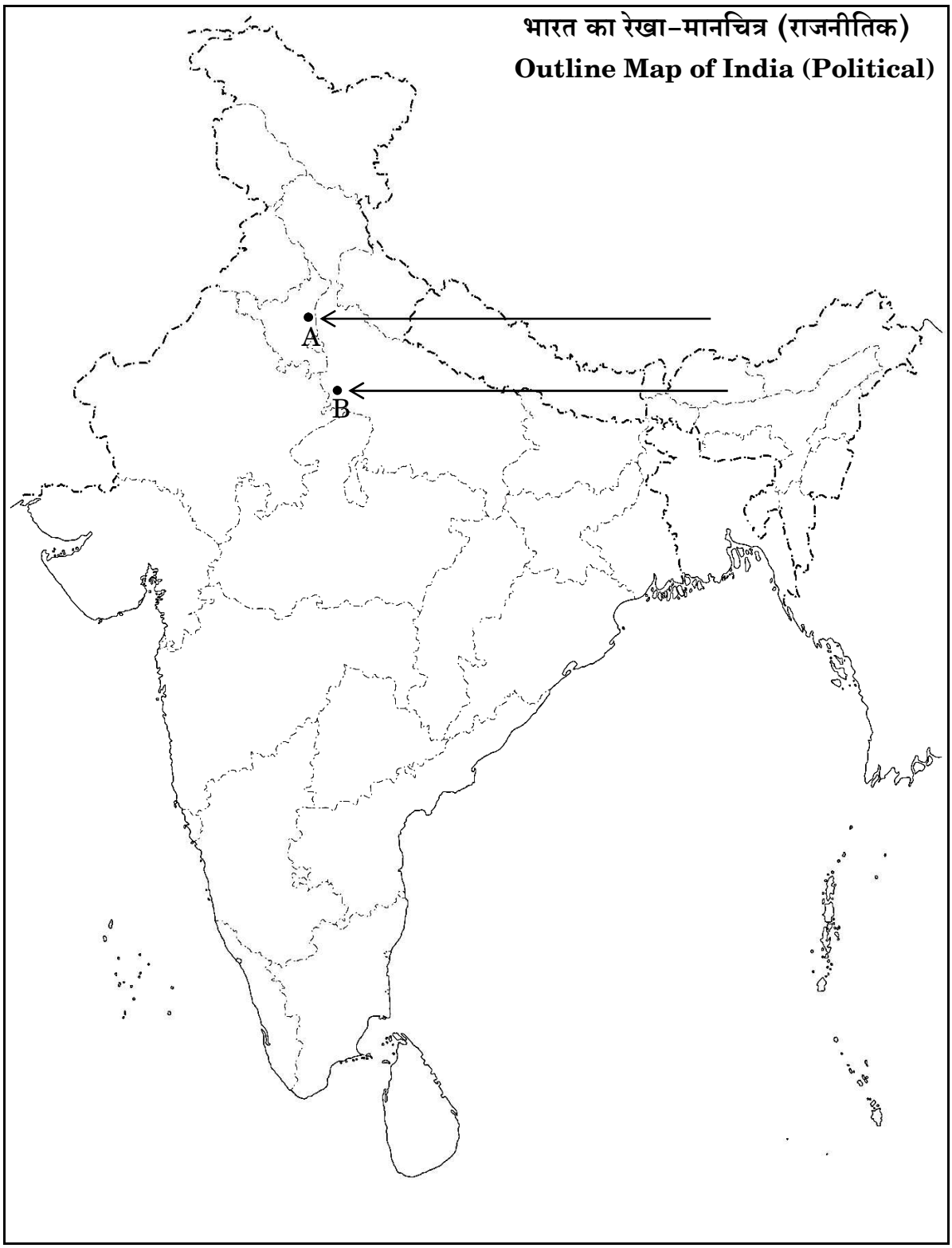

अंकन योजना **अत्यंत गोपनीय** **(केवल आंतरिक और प्रतिबंधित उपयोग के लिए)** **सीनियर सेकेंडरी स्कूल पूरक परीक्षा, 2024** **विषय का नाम: इतिहास (027)विषय कोड, पेपर कोड 61/S/3**	
सामान्य निर्देश:	
1	आप जानते हैं कि अभ्यर्थियों के वास्तविक एवं सही मूल्यांकन में मूल्यांकन सबसे महत्वपूर्ण प्रक्रिया है। मूल्यांकन में एक छोटी सी गलती गंभीर समस्याओं का कारण बन सकती है जो उम्मीदवारों के भविष्य, शिक्षा प्रणाली और शिक्षण पेशे को प्रभावित कर सकती है। गलतियों से बचने के लिए आपसे अनुरोध है कि मूल्यांकन शुरू करने से पहले स्पॉट मूल्यांकन दिशानिर्देशों को ध्यान से पढ़ें और समझें।
2	**"मूल्यांकन नीति एक गोपनीय नीति है क्योंकि यह आयोजित परीक्षाओं, किए गए मूल्यांकन और कई अन्य पहलुओं की गोपनीयता से संबंधित है। इसके किसी भी तरह से जनता के बीच लीक होने से परीक्षा प्रणाली पटरी से उतर सकती है और लाखों उम्मीदवारों के जीवन और भविष्य पर असर पड़ सकता है। इस नीति/दस्तावेज़ को किसी के साथ साझा करने, किसी पत्रिका में प्रकाशित करने और समाचार पत्र/वेबसाइट आदि में छापने पर बोर्ड और आईपीसी के विभिन्न नियमों के तहत कार्रवाई हो सकती है।'**
3	मूल्यांकन अंकन योजना में दिए गए निर्देशों के अनुसार किया जाना है। इसे अपनी व्याख्या या किसी अन्य विचार के अनुसार नहीं किया जाना चाहिए। अंकन योजना का कड़ाई से पालन किया जाना चाहिए। **हालाँकि, मूल्यांकन करते समय, जो उत्तर नवीनतम जानकारी या ज्ञान पर आधारित हैं और/या नवीन हैं, अन्यथा उनकी सत्यता का मूल्यांकन किया जा सकता है और उन्हें उचित अंक दिए जा सकते हैं। कक्षा-बारहवीं के योग्यता-आधारित प्रश्नों का मूल्यांकन करते समय, कृपया दिए गए उत्तर को समझने का प्रयास करें और भले ही उत्तर अंकन योजना से न हो लेकिन उम्मीदवार द्वारा सही योग्यता गिनाई गई हो तो उसे उचित अंक दिए जाने चाहिए।**
4	अंकन योजना में उत्तरों के लिए केवल सुझाए गए मूल्य बिंदु हैं। ये केवल दिशानिर्देशों की प्रकृति में हैं और संपूर्ण उत्तर का गठन नहीं करते हैं। विद्यार्थियों की अपनी अभिव्यक्ति हो सकती है और यदि अभिव्यक्ति सही है तो उसके अनुसार उचित अंक दिये जाने चाहिए।
5	प्रधान-परीक्षक को पहले दिन प्रत्येक मूल्यांकनकर्ता द्वारा मूल्यांकन की गई पहली पांच उत्तर पुस्तिकाओं का अध्ययन करना होगा, ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि मूल्यांकन अंकन योजना में दिए गए निर्देशों के अनुसार किया गया है। यदि कोई भिन्नता हो तो विचार-विमर्श के बाद उसे शून्य किया जाए। मूल्यांकन के लिए शेष उत्तर

	पुस्तिकाएं यह सुनिश्चित करने के बाद ही दी जाएंगी कि व्यक्तिगत मूल्यांकनकर्ताओं के अंकन में कोई महत्वपूर्ण भिन्नता नहीं है।
6	जहाँ भी उत्तर सही होगा, मूल्यांकनकर्ता (√) अंकित करेंगे। गलत उत्तर के लिए क्रॉस 'X' अंकित किया जाए। मूल्यांकनकर्ता सही नहीं रखेंगे (✓)जिससे मूल्यांकन करते समय यह आभास हो जाता है कि उत्तर सही है और कोई अंक नहीं दिया गया है। **यह सबसे आम गलती है जो मूल्यांकनकर्ता कर रहे हैं।**
7	यदि किसी प्रश्न के कुछ भाग हैं, तो कृपया प्रत्येक भाग के लिए दाहिनी ओर अंक दें। फिर प्रश्न के विभिन्न भागों के लिए दिए गए अंकों को जोड़ दिया जाना चाहिए और बाएं हाथ के हाशिये में लिखा जाना चाहिए और घेरा बनाया जाना चाहिए। इसका सख्ती से पालन किया जा सके|
8	यदि किसी प्रश्न में कोई भाग नहीं है, तो बाएं हाथ के हाशिए में अंक दिए जाने चाहिए और घेरा लगाना चाहिए। इसका भी सख्ती से पालन किया जा सकता है|
9	यदि किसी छात्र ने एक अतिरिक्त प्रश्न का प्रयास किया है, तो अधिक अंकों के योग्य प्रश्न का उत्तर बरकरार रखा जाना चाहिए और दूसरे उत्तर को एक नोट के साथ काट दिया जाना चाहिए **"अतिरिक्त प्रश्न"|**
10	किसी त्रुटि के संचयी प्रभाव के लिए कोई अंक नहीं काटा जाएगा। इसे केवल एक बार दंडित किया जाना चाहिए।
11	अंकों का एक पूर्ण स्केल _____80_____ (उदाहरण 0 से 80/70/60/50/40/30 अंक जैसा कि प्रश्न पत्र में दिया गया है) का उपयोग करना होगा। यदि उत्तर योग्य है तो कृपया पूर्ण अंक देने में संकोच न करें।
12	प्रत्येक परीक्षक को आवश्यक रूप से पूरे कार्य समय अर्थात प्रतिदिन 8 घंटे तक मूल्यांकन कार्य करना होगा तथा मुख्य विषयों में प्रतिदिन 20 उत्तर पुस्तिकाओं तथा अन्य विषयों में प्रतिदिन 25 उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन करना होगा (विवरण स्पॉट गाइडलाइन्स में दिया गया है)।
13	सुनिश्चित करें कि आप अतीत में परीक्षक द्वारा की गई निम्नलिखित सामान्य प्रकार की त्रुटियाँ न करें:- किसी उत्तर के लिए दिए गए अंक से अधिक अंक देना। ● किसी उत्तर पर दिए गए अंकों का गलत योग। ● उत्तर पुस्तिका के अंदर के पन्नों से मुख्य पृष्ठ पर अंकों का गलत स्थानांतरण। शीर्षक पृष्ठ पर गलत प्रश्नवार योग। ● उत्तर पुस्तिका में उत्तर या उसके किसी भाग को बिना मूल्यांकित छोड़ देना। ● शीर्षक पृष्ठ पर दो कॉलमों के अंकों का गलत योग। ● गलत कुल योग| ● शब्दों और अंकों के निशान मेल नहीं खाते/समान नहीं।

	• उत्तर पुस्तिका से ऑनलाइन अंक सूची में अंकों का गलत स्थानांतरण। • उत्तरों को सही के रूप में चिह्नित किया गया, लेकिन अंक नहीं दिए गए। (सुनिश्चित करें कि सही टिक मार्क सही और स्पष्ट रूप से इंगित किया गया है। यह केवल एक पंक्ति होनी चाहिए। गलत उत्तर के लिए एक्स के साथ भी ऐसा ही है।) • उत्तर के आधे या एक भाग को सही और शेष को गलत चिह्नित किया गया, लेकिन कोई अंक नहीं दिया गया।
14	उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन करते समय यदि उत्तर पूरी तरह से गलत पाया जाता है, तो इसे क्रॉस (X) के रूप में चिह्नित किया जाना चाहिए और शून्य (0) अंक दिए जाने चाहिए।
15	किसी भी मूल्यांकन न किए गए भाग, शीर्षक पृष्ठ पर अंक न ले जाना, या उम्मीदवार द्वारा पाई गई कुल त्रुटि से मूल्यांकन कार्य में लगे सभी कर्मियों और बोर्ड की प्रतिष्ठा को नुकसान होगा। इसलिए, सभी संबंधित पक्षों की प्रतिष्ठा बनाए रखने के लिए, यह फिर से दोहराया जाता है कि निर्देशों का सावधानीपूर्वक और विवेकपूर्ण तरीके से पालन किया जाए।
16	परीक्षकों को दिए गए दिशा-निर्देशों से परिचित होना चाहिए।**स्पॉट मूल्यांकन के लिए दिशानिर्देश** वास्तविक मूल्यांकन शुरू करने से पहले सभी मूल्यांकन कर्ताओं को ज्ञात होने चाहिए |
17	प्रत्येक परीक्षक यह भी सुनिश्चित करेगा कि सभी उत्तरों का मूल्यांकन किया गया है, अंकों को शीर्षक पृष्ठ पर ले जाया गया है, सही ढंग से योग किया गया है और अंकों और शब्दों में लिखा गया है।
18	उम्मीदवार निर्धारित प्रसंस्करण शुल्क का भुगतान करके अनुरोध पर उत्तर पुस्तिका की फोटोकॉपी प्राप्त करने के हकदार हैं। सभी परीक्षकों/अतिरिक्त प्रधान परीक्षकों/प्रधान परीक्षकों को एक बार फिर याद दिलाया जाता है कि उन्हें यह सुनिश्चित करना होगा कि मूल्यांकन अंकन योजना में दिए गए प्रत्येक उत्तर के लिए मूल्य बिंदुओं के अनुसार सख्ती से किया जाए।

प्रश्न-पत्र कोड 61/S/3

अंकन योजना 2024

इतिहास (027) अधिकतम अंक : 80

क्र.सं	मूल्य अंक	पृ. सं.	अंक
	खंड क **(बहुविकल्पीय प्रकार के प्रश्न)** **21x1=21**		
1	(B) इटली	पृष्ठ 137	1
2	(C) मनसबदारी प्रणाली	पृष्ठ 214	1
3	(B) फ़्राँस्वा बर्नियर	पृष्ठ 130	1
4	(A) अभिकथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं और कारण (R), अभिकथन (A) की सही व्याख्या करता है |	पृष्ठ 170	1 1
5	(D) i , ii और iii	पृष्ठ 92	1
6	(D) 700	पृष्ठ 7	1
7	(A) सिंह शीर्ष दृष्टिबाधित परीक्षार्थियों के लिए (B) शक राजा, रुद्रदामन	पृष्ठ 32 पृष्ठ 38	1
8	(A) प्रभावती गुप्त	पृष्ठ 40	1
9	(A) राजगाह	पृष्ठ 31	1
10	(B) अर्ध-शुष्क भूमि	पृष्ठ 3	1
11	(D) कुँवर सिंह	पृष्ठ 292	1
12	(D) गाँधीजी ने चरखे को स्वावलंबन के प्रतीक के रूप में देखा	पृष्ठ 352	1
13	(D) गोपाल कृष्ण गोखले	पृष्ठ 347	1

14	(C) राजेन्द्र प्रसाद	पृष्ठ 409	1
15	(A) दिल्ली	पृष्ठ 292	1
16	(D) इसने दामिन-ए-कोह के लोगों के प्रति अंग्रेजों की शोषणकारी प्रकृति को उजागर किया |	पृष्ठ 271-272	1
17	(D) शेख निज़ामुद्दीन औलिया	पृष्ठ 154&157	1
18	(B) III और IV	पृष्ठ 160	1
19	(A) प्रश्न के साथ आरंभ	पृष्ठ 117	1
20	(A) कृष्णदेव राय	पृष्ठ 173	1
21	(D) जवाहरलाल नेहरू	पृष्ठ 411	1

खंड ख

(लघु-उत्तरीय प्रकार के प्रश्न) **6x3=18**

22	**(क) महाजनपदों की किन्हीं तीन विशेषताओं का वर्णन कीजिए।** उत्तर : (क) महाजनपदों की तीन विशेषताएँ: (i) अधिकांश महाजनपदों पर राजाओं का शासन था, कुछ, जिन्हें गण या संघ के नाम से जाना जाता था, कुलीनतंत्र थे, जहाँ सत्ता कई लोगों के बीच साझा की जाती थी। (ii) प्रत्येक महाजनपद की एक राजधानी होती थी, जिसे अक्सर किलेबंद किया जाता था। (iii) इन किलेबंद राजधानियों के रखरखाव और प्रारंभी सेनाओं और नौकरशाही के लिए भारी आर्थिक संसाधनों की आवश्यकता होती थी। (iv) धीरे-धीरे कुछ राज्यों ने अपनी स्थायी सेनाएँ एवं नौकरशाही तंत्र तैयार कर लिए| (v) बाकी राज्य अब भी सहायक सेना पर निर्भर थे, जिन्हें प्रायः कृषक वर्ग से नियुक्त किया जाता था | (vi) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। किन्हीं तीन बिंदुओं का मूल्यांकन कीजिए|	पृष्ठ. 29-30	3
	अथवा		

	(ख) मगध के एक शक्तिशाली महाजनपद में विकसित होने के किन्हीं तीन कारणों का वर्णन कीजिए | उत्तर : (ख) मगध के एक शक्तिशाली महाजनपद में विकसित होने के तीन कारण: (i) मगध क्षेत्र में कृषि बहुत अच्छी होती थी। (ii) इसके अलावा, लोहे की खदानें सुलभ थीं और औजारों और हथियारों के लिए संसाधन उपलब्ध कराती थीं। (iii) सेना का एक महत्वपूर्ण घटक हाथी इस क्षेत्र के जंगलों में पाए जाते थे। (iv) इसके अलावा, गंगा और उसकी सहायक नदियों से आवागमन सस्ता व सुलभ होता था | (v) प्रारंभिक बौद्ध और जैन लेखकों ने इसकी शक्ति का श्रेय अलग-अलग राजाओं की नीतियों को दिया है, जिनमें बिम्बिसार, अजातशत्रु और महापद्म नंद सबसे प्रसिद्ध हैं। (vi) राजगाह मगध की राजधानी थी, यह पहाड़ियों के बीच स्थित एक किलेबंद शहर था। बाद में राजधानी को पाटलिपुत्र में स्थानांतरित कर दिया गया, जिसकी गंगा के रास्ते आवागमन के मार्ग पर महत्त्वपूर्ण अवस्थिति थी | (vii) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। किन्हीं तीन बिंदुओं का मूल्यांकन कीजिए|	पृष्ठ 31	3
23	**हिंदू धर्म में मुक्तिदाता की अवधारणा का वर्णन कीजिए |** उत्तर : (i) मुक्तिदाता की कल्पना बौद्ध धर्म तक ही सीमित नहीं थी बल्कि पौराणिक हिन्दू धर्म में भी प्रचलित थी | (ii) हिन्दू धर्म में वैष्णव और शैव परंपरा के समर्थक विष्णु और शिव के प्रति भक्ति रखते थे | (iii) वैष्णववाद में विष्णु के दशावतार से पापियों के बढ़ते प्रभाव के चलते दुनिया में अर्थव्यवस्था और नाश की स्थिति से विश्व की रक्षा के लिए भगवान विष्णु के अलग-अलग रूपों में अवतार की धारणा प्रचलित थी | (iv) अवतारों को मूर्तियों के रूप में और शिव को उनके प्रतीक लिंग के रूप में मंदिरों में पूजा जाता था | (v) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। किन्हीं तीन बिंदुओं का मूल्यांकन कीजिए।	पृष्ठ 104	3

24	**विजयनगर साम्राज्य के विट्ठल मंदिर की विशेषताओं की परख कीजिए।** उत्तर: विट्ठल मंदिर की विशेषताएँ: (i) देवस्थल विट्ठल मंदिर रोचक है, यहाँ के मुख्य देवता विट्ठल थे, जो सामान्यतः महाराष्ट्र में पूजे जाने वाले भगवान विष्णु का एक रूप थे। (ii) इस देवता की पूजा को कर्नाटक में आरंभ करना विजयनगर के शासकों द्वारा अलग-अलग परंपराओं को आत्मसात करने का संकेत है | (iii) इस मंदिर में भी कई सभागार हैं। (iv) इसमें एक रथ के रूप में डिज़ाइन किया गया एक अनूठा मंदिर भी है। (v) मंदिर परिसर की एक चारित्रिक विशेषता रथ गलियाँ हैं जो मंदिर के गोपुरम से एक सीधी रेखा में जाती हैं। (vi) इन गलियों का फर्श पत्थर के टुकड़ों से बनाया गया था और इनके दोनों ओर स्तम्भ वाले मंडप थे जिनमें व्यापारी अपनी दुकानें लगाया करते थे | (vii) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। किन्हीं तीन बिंदुओं का मूल्यांकन कीजिए|	पृष्ठ 187-188	3
25	**(क) आर्थिक संसाधनों के प्रबंधन में मुगल साम्राज्य के विकास का विश्लेषण कीजिए|** उत्तर: आर्थिक संसाधनों के प्रबंधन में मुगल साम्राज्य के विकास का विश्लेषण: (i) भूमि की प्रचुरता, मजदूरों की मौजूदगी और किसानों की गतिशीलता तीन कारक थे जो कृषि के निरंतर विस्तार के लिए जिम्मेदार थे। (ii) हालाँकि कृषि श्रम प्रधान थी, लेकिन किसान ऐसी तकनीकों का इस्तेमाल करते थे जो अक्सर पशुबल पर आधारित होती थी । (iii) मौसम के दो चक्रों में खेती की जाती थी एक खरीफ और दूसरी रबी। (शरद ऋतु) और (वसंत)। सूखे इलाकों और बंजर ज़मीन को छोड़कर ज्यादातर जगहों पर साल में कम से कम दो फसलें होती थीं। (iv) जबकि कुछ जगहों पर जहाँ वर्षा अच्छी होती थी, वहाँ तीन फसलें भी उगाई जाती थीं | (v) ज़मीन से प्राप्त राजस्व मुगल साम्राज्य की आर्थिक बुनियाद थी।तेजी से फैलते साम्राज्य के तमाम इलाकों में राजस्व आँकलन व वसूली के लिए यह जरूरी था कि राज्य एक प्रशानिक तंत्र खड़ा करे | (vi) दीवान पर पूरे राज्य की वितीय व्यवस्था की देखरेख की जिम्मेदारी थी।	पृष्ठ.198-200, 213-216	3

	(vii) राजस्व अधिकारी और रिकॉर्ड रखने वाले खेती की दुनिया में दाखिल हुए और कृषि संबंधों को शक्ल देने में एक निर्णायक ताकत के रूप में उभरे। (viii) भू-राजस्व व्यवस्था में दो चरण शामिल थे -पहला, कर निर्धारण और दूसरा वास्तविक वसूली। (ix) जमा निर्धारित रकम थी और हासिल सचमुच वसूली गई रकम। (x) लगातार बढ़ते व्यापार के साथ, भारत से निर्यात होने वाली वस्तुओं का भुगतान करने के लिए एशिया में भारी मात्रा में चाँदी आई। इस चाँदी का एक बड़ा हिस्सा भारत की तरफ खिंच गया| (xi) यह भारत के लिए अच्छा था क्योंकि यहाँ चाँदी के प्राकृतिक संसाधन नहीं थे। सोलहवीं से अठारहवीं सदी के बीच भारत में धातु मुद्रा- खास कर चाँदी के रुपयों की उपलब्धि में अच्छी स्थिरता बनी रही। (xii) इससे सिक्कों की ढलाई में अभूतपूर्व विस्तार हुआ और साथ ही मुगल राज्य को नकदी कर उगाहने में आसानी हुई। (xiii) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। किन्ही तीन बिंदुओं का मूल्यांकन कीजिए|		
	अथवा		
	(ख) मुगल सम्राज्य के कृषि समाज में एक संसाधन के रूप में महिलाओं की भूमिका का विश्लेषण कीजिए | उत्तर: (ख) मुगल साम्राज्य के कृषि समाज में एक संसाधन के रूप में महिलाओं की भूमिका: (i) पुरुष खेत जोतते थे और हल चलाते थे और महिलाएँ बुआई, निराई, कटाई के साथ- साथ पकी हुई फसल का दाना निकालने का काम करती थी। (ii) जब छोटी छोटी ग्रामीण इकाइयों का और किसान की व्यक्तिगत खेती का विकास हुआ -जो कि मध्यकालीन भारतीय कृषि की खासियत थी- तब घर-परिवार के संसाधन और श्रम उत्पादन की बुनियाद बने। (iii) स्वाभाविक तौर पर ऐसे में लिंग बोध के आधार पर आमतौर पर किया जाने वाला फ़र्क (घर के लिए महिलाएँ और बाहर के लिए मर्द)मुमकिन नहीं था | (iv) महिलाओं की जैव वैज्ञानिक क्रियाओं को लेकर लोगों के मन में पूर्वाग्रह बने रहे।	पृष्ठ.206-207	3

	(v) पश्चिमी भारत में रजस्वला महिलाओं को हल या कुम्हार का चाक छूने की अनुमति नहीं थी| इसी तरह बंगाल में मासिक धर्म के समय माहिलाएँ पान के बागान में नहीं घुस सकती थीं | (vi) सूत कातने, मिट्टी के बर्तनों के लिए मिट्टी साफ करने और गूँथने और कपड़ों पर कढ़ाई जैसे दस्तकारी के काम उत्पादन के ऐसे पहलू थे, जो महिलाओं के श्रम पर निर्भर थे | (vii) किसी वस्तु का जितना वाणिज्यीकरण होता था उसके उत्पादन के लिए महिलाओं के श्रम की उतनी ही माँग होती थी | (viii) किसान और कारीगर महिलाएँ न केवल खेतों में बल्कि यदि आवश्यक हो तो अपने नियोक्ताओं के घरों या बाज़ारों में भी जाती थीं | (ix) बच्चे पैदा करने की अपनी काबलियत की वजह से कृषि समाज में भी महिलाओं को एक महत्वपूर्ण संसाधन माना जाता था| (x) शादीशुदा महिलाओं की कमी थी क्योंकि कुपोषण, बार-बार गर्भधारण और प्रसव के दौरान मृत्यु की वजह से महिलाओं की मृत्यु दर बहुत ज्यादा थी। (xi) इससे किसानों और दस्तकार समाज में ऐसे सामाजिक रीति-रिवाजों का उदय हुआ जो संभ्रांत समूहों से बहुत भिन्न थे। (xii) कई ग्रामीण समुदायों में दुल्हन की कीमत अदा की जाती थी | (xiii) तलाकशुदा महिलाएँ और विधवाएँ दोनों ही कानूनन शादी कर सकती थीं | (xiv) महिलाओं की प्रजनन शक्ति को इतनी अहमियत दी जाती थी कि उस पर काबू खोने का बहुत डर था | (xv) स्थापित सामाजिक मानदंडों के अनुसार, परिवार का मुखिया पुरुष होता था। इस प्रकार महिलाओं को पुरुष सदस्यों द्वारा सख्त नियंत्रण में रखा जाता था| (xvi) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। किन्हीं तीन बिंदुओं का मूल्यांकन कीजिए|		
26	**"असहयोग आंदोलन में महात्मा गांधी की भूमिका महत्वपूर्ण थी।" इस कथन की व्याख्या कीजिए|** उत्तर: (i) 1919 के रॉलेट सत्याग्रह से गाँधी जी सच्चे राष्ट्रीय नेता बन गए और अंग्रेज़ी शासन के खिलाफ़ असहयोग अभियान में उन्होंने भारतीय उपनिवेशवाद के खात्मे के लिए स्कूलों, कॉलेजों और न्यायालयों में न जाने और कर न चुकाने के लिए लोगों से आग्रह किया		पृष्ठ 349	3

	(ii) अपने संघर्ष में खिलाफ़त आंदोलन को अपने साथ मिलाकर हिंदू-मुस्लिम धार्मिक समुदायों द्वारा एक साथ मिलकर औपनिवेशिक शासन के अंत की बात कही गई । (iii) असहयोग में प्रतिवाद, परित्याग, स्वानुशासन आवश्यक था जो स्वशासन के लिए प्रशिक्षण भी था । (iv) 1857 के बाद पहली बार असहयोग आंदोलन से ब्रिटिश राज्य की नींव हिल गई । (v) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। किन्हीं तीन बिंदुओं का मूल्यांकन कीजिए|		
27	**'1857 के आज़मगढ़ घोषणा' के किन्हीं तीन पहलुओं की व्याख्या कीजिए|** उत्तर : (i) 25 अगस्त 1857 की आजमगढ़ की घोषणा से पता चलता है कि विद्रोही क्या चाहते थे और कौन-कौन से वर्ग विद्रोह में क्यों शामिल हुए थे । (ii) विद्रोहियों द्वारा जारी घोषणाओं में जाति,धर्म क भेद-भाव किए बिना सभी तबकों से एकता बनाए रखने का आह्वान किया गया । (iii) फिरंगी राज से संबंधित हर चीज़ को खारिज़ किया गया था । (iv) इकट्ठे मिलकर अपने रोजगार, धर्म, इज्जत, अस्मिता की लड़ाई में 'व्यापक सार्वजनिक भलाई' की लड़ाई के लिए प्रत्येक विद्रोही को बुलाया गया था । (v) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। किन्हीं तीन बिंदुओं का मूल्यांकन कीजिए।	पृष्ठ 301-304	3
	खंड ग **(दीर्घ-उत्तरीय प्रकार के प्रश्न)** **3x8=24**		
28	**(क) "ऐसे साक्ष्य मिले हैं जिनके अनुसार 1800 ईसा पूर्व में अधिकांश हड़प्पा स्थलों का त्याग कर दिया गया था|" कारणों और साक्ष्यों के संदर्भ में कथन की पुष्टि कीजिए** | उत्तर : कारण और साक्ष्य (i) ऐसे साक्ष्य मिले जिनके अनुसार 1800 ईसा पूर्व तक चोलिस्तान जैसे क्षेत्रों में अधिकांश विकसित हड़प्पा स्थलों को त्याग दिया गया था	इसके साथ ही गुजरात, हरियाणा तथा पश्चिमी उत्तर प्रदेश की नई बस्तियों में आबादी बढ़ने लगी थी| (ii) ऐसा लगता है कि एक सुदृढ़ एकीकरण के तत्व, संभवत: हड़प्पाई राज्य का अंत हो गया था । (iii)मुहरों, लिपि, विशिष्ट मनकों तथा मृदभांडो के लोप, मानकीकृत बाट प्रणाली के	पृष्ठ 17	8

	स्थान पर स्थानीय बाटों के प्रयोग, शहरों के पतन तथा परित्याग जैसे परिवर्तनों से इस तर्क को बल मिलता है | (iv) लेखन, लंबी दूरी का व्यापार, तथा शिल्प विशेषज्ञता भी समाप्त हो गई | (v) सामान्यत: थोड़ी वस्तुओं के निर्माण के लिए थोड़ा ही माल प्रयोग में लाया जाता था | (vi) आवास निर्माण की तकनीकों का ह्रास हुआ तथा बड़ी सार्वजनिक संरचनाओं का निर्माण अब बंद हो गया | (vii) कुल मिलाकर पुरावस्तुएँ तथा बस्तियाँ इन संस्कृतियों में एक ग्रामीण जीवन शैली की ओर संकेत करती है | (viii) इन परिवर्तनों के कई कारण बताए गए हैं जिनमें जलवायु परिवर्तन, वनों की कटाई, अत्यधिक बाढ़, नदियों का सूख जाना या मार्ग बदल लेना तथा भूमि का अत्यधिक उपयोग सम्मिलित है| (ix) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु| समग्र रूप से मूल्यांकन किया जाना चाहिए |		
	अथवा		
	(ख)"हड़प्पाई समाज में जटिल फैसले लेने और उन्हें कार्यान्वित करने के संकेत मिलते हैं।" उपयुक्त तर्कों सहित इस कथन की पुष्टि कीजिए। उत्तर : (i) हड़प्पाई पुरावस्तुओं में असाधारण एकरूपता, मृदभांडों, मुहरों, बाटों तथा ईंटों से स्पष्ट है कि हड़प्पाई समाज में इस तरह के जटिल निर्णय लिए जाते थे और कार्यान्वित होते थे | (ii) ईंटों के उत्पादन का किसी एक केंद्र पर निर्माण नहीं होता था लेकिन वे जम्मू से गुजरात तक पूरे क्षेत्र में समान अनुपात की थीं| (iii) अलग-अलग कारणों से विशेष स्थानों पर बस्तियों को स्थापित किया जाता था | (iv) सत्ता के केंद्र अथवा सत्ताधारी लोगों के विषय में पुरातात्विक विवरण स्पष्ट नहीं है। (v) मोहनजोदड़ों के विशाल भवन को प्रसाद की संज्ञा दी गई परंतु इससे सम्बद्ध कोई भव्य वस्तु नहीं मिली है | (vi) इसी तरह पुरोहित राजा की संज्ञा वाली मूर्ति के साथ भी हड़प्पा सभ्यता की अनुष्ठानिक प्रथाएँ स्पष्ट नहीं है | (vii) कुछ पुरात्वविद मानते है कि हड़प्पाई समाज में कोई शासक नहीं थे तथा सभी की स्थिति समान थी। (viii) कुछ पुरात्वविद मानते है कि यहाँ कोई एक नहीं बल्कि कई शासक थे जैसे - मोहनजोदड़ों और हड़प्पा के अपने अलग-अलग राजा थे |	पृष्ठ16, 17	8

	(ix) कुछ पुरात्वविदों का तर्क है कि एक ही राज्य था जैसा कि पुरावस्तुओं की समानता, नियोजित बस्तियों के साक्ष्यों, ईंटों के निश्चित अनुपात तथा बस्तियों के कच्चे माल के स्त्रोतों के समीप होने से स्पष्ट है कि कोई एक सत्ता ही हड़प्पाई समाज में जटिल फैसले लेती थी और कार्यान्वित करती थी। (x) अभी तक की स्थिति में यह अंतिम परिकल्पना सबसे युक्तिसंगत है। (xi) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। समग्र रूप से मूल्यांकन किया जाना चाहिए ।		
29	**(क) बर्नियर के विवरणों ने भारतीय समाज का किस प्रकार का परिदृश्य प्रस्तुत किया? परख कीजिए ।** उत्तर : (i) बर्नियर भारतीय समाज को दरिद्र लोगों के समरूप जनसमूह से बना वर्णित करता है, जो एक बहुत अमीर तथा शक्तिशाली शासक वर्ग, जो अल्पसंख्यक होते हैं के द्वारा अधीन बनाया जाता है । गरीबों में सबसे गरीब तथा अमीरों में सबसे अमीर व्यक्ति के बीच नाममात्र को भी कोई सामाजिक समूह या वर्ग नहीं हैं । (ii) बर्नियर विश्वास से कहता है, "भारत में मध्य की स्थिति के लोग नहीं हैं।" (iii) मुग़ल राजा भिखारियों और बर्बर लोगों का राजा था। इसके शहर और नगर विनष्ट तथा खराब हवा से दूषित थे और इसके खेत झाड़ीदार तथा घातक दलदल से भरे हुए थे और इसका मात्र एक ही कारण था - राजकीय भूस्वामित्व । (iv) राजकीय भूस्वामित्व का अर्थव्यवस्था और समाज दोनों के लिए विनाशकारी साबित हुए। (v) राज्य के स्वामित्व के कारण, किसान भूमि को अपने बच्चों को हस्तांतरित नहीं कर सकते थे। (vi) वे जीविका में किसी भी दीर्घकालिक निवेश के विरुद्ध थे। (vii) भूमि में निजी संपत्ति के अभाव ने उत्पादन के विस्तार को रोका । (viii) छोटे किसान मुश्किल से ही निर्वहन लायक उत्पादन कर पाते थे । (ix) बर्नियर मुगल कालीन शहरों को शिविर नगर कहता है जिनकी सामाजिक और आर्थिक नीव व्यवहार्य नहीं होती और ये राजकीय प्रश्रय पर आश्रित थे। (x) बर्नियर ने सती प्रथा के लिए लिखा है की कुछ महिलाये प्रसन्नता से मृत्यु को गले लगा लेती थी वहीं अन्य को मरने के लिए बाध्य किया जाता था। (xi) शिल्पकारों के पास अपने उत्पादन को बेहतर बनाने क कोई प्रोत्साहन नहीं था क्योंकि मुनाफे का अधिग्रहण राज्य द्वारा कर लिया जाता था। (xii) बर्नियर का भारत चित्रण द्वि- विपरीतता के नमूने पर आधारी है जहाँ भारत को यूरोप के प्रतिलोम के रूप में दिखाया गया है। (xiii) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु।	पृष्ठ 131-132	8

	किन्हीं आठ बिंदुओं का मूल्यांकन कीजिए।		
	अथवा		
	(ख) मुगल साम्राज्य पर बर्नियर के विचारों की परख कीजिए । उत्तर: (i) बर्नियर निजी संपत्ति के गुणों में दृढ़ विश्वास रखता था। (ii) उन्होंने भूमि पर राज्य के स्वामित्व को राज्य और उसके लोग, दोनों के लिए हानिकारक माना| (iii) उन्होंने दावा किया कि मुगल बादशाह पूरी जमीन का मालिक था| उसने भूमि को अपने सरदारों के बीच बाँट दिया। (iv) इसके विनाशकारी परिणाम हुए; अर्थव्यवस्था और समाज दोनों के लिए। (v) राज्य के स्वामित्व के कारण, किसान भूमि को अपने बच्चों को हस्तांतरित नहीं कर सकते थे| (vi) वे जीविका में किसी भी दीर्घकालिक निवेश के विरुद्ध थे| (vii) भूमि में निजी संपत्ति के अभाव ने उत्पादन के विस्तार को रोका था| (viii) किसानों पर अत्यधिक अत्याचार। (ix) शासक, अभिजात वर्ग को छोड़कर समाज के सभी वर्गों के जीवन स्तर में गिरावट| (x) बर्नियर के ग्रंथ "ट्रैवल्स इन द मुग़ल एम्पायर" में मुगलों के इतिहास को एक प्रकार के वैश्विक ढांचे मे स्थापित करने का प्रयास किया है। (xi) यूरोप की श्रेष्ठता को रेखांकित करते हुए मुगलकालीन भारत की तुलना उसने यूरोप से की है। (xii) मुग़ल साम्राज्य को निरंकुश रूप देने की कोशिश की है लेकिन उसके विवरण कभी-कभी एक जटिल सच्चाई की ओर इशारा करते है। (xiii) बर्नियर ने मुग़ल साम्राज्य के राजा को "भिखारियों और क्रूर लोगों" का राजा कहा। इसने भारत के शहरों और नगरों को विनष्ट तथा "खराब हवा" से दूषित और खेतों को "झाड़ीदार" "घातक दलदल" से भरा बताया है जिसका कारण राजकीय भूस्वामित्व बताया है। जबकि एक भी मुग़ल दस्तावेज यह इंगित नहीं करता की राज्य ही भूमि का एकमात्र स्वामी था। (xiv) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। किन्हीं आठ बिंदुओं का मूल्यांकन कीजिए।	पृष्ठ 130-131	8
30	**(क) 'इस्तमरारी बंदोबस्त' के विभिन्न पहलुओं का विश्लेषण कीजिए।** (i) 1793 में इस्तमरारी बंदोबस्त (स्थायी बंदोबस्त) लागू किया गया।	पृष्ठ 258-260	8

	(ii) ईस्ट इंडिया कंपनी ने प्रत्येक जमींदार के लिए राजस्व भुगतान निश्चित कर दिया था और जो लोग भुगतान करने में विफल रहे, उनकी संपत्ति जब्त कर ली जाती थी| (iii) इस व्यवस्था में कोई ज़मींदार गाँव में भूस्वामी नहीं था बल्कि राज्य का राजस्व संग्रहकर्ता था। (iv) स्थायी राजस्व माँग कंपनी के लिए आय के नियमित प्रवाह को सुनिश्चित करेगी, ऐसा विश्वास किया गया था | (v) इस्तमरारी बंदोबस्त से ब्रिटिश कंपनी अपने प्रति जमींदारों का एक वफादार वर्ग बनाना चाहती थी। (vi) आरंभिक भूराजस्व माँगें बहुत अधिक थीं और जमींदार भुगतान नहीं कर सकते थे। (vii) सूर्यास्त नियम से कई जमींदारों की भूमि नीलाम की गई। (viii) अधिकारियों ने महसूस किया कि इस व्यवस्था से कृषि सुधार होगा। (ix) छोटे किसानों और धनी भूस्वामिओ के पास पूंजी और उद्यम दोनों ही इस व्यवस्था से मिलेंगे। (x) कंपनी जमींदारों को महत्वपूर्ण मानती थी लेकिन उन पर नियंत्रण रखना चाहती थी | इसलिए उनकी सैन्य टुकड़ियों को भंग कर दिया गया। (xi) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। किन्हीं आठ बिंदुओं का मूल्यांकन कीजिए।		
	अथवा		
	(ख) 1830 से 1860 के दौरान बम्बई दक्कन में कपास की तेजी आने के कारणों का विश्लेषण कीजिए। **उत्तर :** (i) 1860 के दशक से पहले ब्रिटेन में कच्चे कपास का तीन-चौथाई आयात अमरीका से होता था| (ii) 1859 में मैनचेस्टर में कपास कंपनी की स्थापना हुई थी जिसका उद्देश्य दुनिया के हर कोने से कपास उत्पादन को बढ़ावा देना था (iii) भारत को एक ऐसे देश के रूप में देखा जाता है जो अमेरिका से कपास आपूर्ति बंद होने पर ब्रिटेन को कच्चे कपास की आपूर्ति कर सकता है| (iv) उपयुक्त मिट्टी, जलवायु और सस्ते श्रम की उपलब्धता के कारण भारत कपास का उत्पादक केंद्र बन सकता था | (v) 1861 में अमेरिकी गृहयुद्ध छिड़ गया और ब्रिटेन में अमेरिका से कच्चे कपास का आयात घट गया। (vi) भारत में कपास व्यापारियों ने कपास की खेती को प्रोत्साहित किया। (vii) भारतीय व्यापारी अंग्रेजों की कपास की माँग पूर्ति करने के लिए कृषकों को	पृष्ठ 279-281	8

	सुविधाएँ देने के लिए इच्छुक थे| (viiii) व्यापारियों ने शहरी साहूकारों को अग्रिम राशि दी, जिन्होंने बदले में उन्हें आगे बढ़ाया| (ix) कपास की सुरक्षा के लिए साहूकारों ने रैयतों को ऋण देना शुरू कर दिया। (x) कपास उगाने के लिए रैयतों को अग्रिम राशि के रूप में 100 रुपये दिए गए । (xi)1860-64 के बीच कपास उत्पादन का दुगुना विस्तार हुआ| (xii) 1862, ब्रिटेन में 90% कपास का आयात भारत से होता था। (xiii) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। किन्हीं आठ बिंदुओं का मूल्यांकन कीजिए।		
	खंड घ **(स्रोत-आधारित प्रश्न)**		**3x4=12**
31	**दिए गए स्रोत को ध्यानपूर्वक पढिए और इसके नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए :** **शास्त्र या भक्ति?** यह एक नयनार संत अप्पार द्वारा रचित एक कविता है: हे क़ानून की किताबों का हवाला देने वाले लोगों, आपके गोत्र और कुल किस काम के? बस अपने एकमात्र आश्रय के रूप में मार्पेरु के भगवान (तमिलनाडु के तंजावुर में मार्पेरु में रहने वाले शिव) को नमन कीजिए।	पृष्ठ 143	1+1+2 =4
	31.1 नयनार कौन थे? **(1)** उत्तर : शिवभक्त		
	31.2 एकमात्र आश्रयदाता किसे माना गया? **(1)** उत्तर : शिव/ मार्पेरु के भगवान		
	31.3 भक्ति पर अप्पार के विचारों की व्याख्या कीजिए। **(2)** उत्तर : (i) जातिप्रथा और ब्राह्मणों की प्रभुता का विरोध (ii) शिव की भक्ति करने का आग्रह		
32.	**दिए गए स्रोत को ध्यानपूर्वक पढिए और इसके नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए :** **द्रौपदी का प्रश्न** ऐसा माना जाता है कि द्रौपदी ने युधिष्ठिर से यह प्रश्न किया था कि वह उसे दाँव पर लगाने से पहले स्वयं को हार बैठे थे अथवा नहीं | इस प्रश्न के उत्तर में दो भिन्न मतों को प्रस्तुत किया गया | प्रथम तो यह कि यदि युधिष्ठिर ने स्वयं को हार जाने के पश्चात द्रौपदी को दाँव पर लगाया तो यह अनुचित नहीं क्योंकि पत्नी पर पति का नियंत्रण सदैव रहता है |	पृष्ठ 68	1+1+2 =4

	दूसरा यह कि एक दासत्व स्वीकार करने वाला पुरुष (जैसे उस क्षण युधिष्ठिर थे) किसी और को दाँव पर नहीं लगा सकता | इन मुद्दों का कोई निष्कर्ष नहीं निकला और अंततः धृतराष्ट्र ने सभी पांडवों और द्रौपदी को उनकी निजी स्वतंत्रता पुन: लौटा दी।		
	32.1 सभा से द्रौपदी का क्या प्रश्न था? (1) उत्तर : वह (युधिष्ठिर) उसे दाँव पर लगाने से पहले स्वयं को हार बैठे थे अथवा नहीं |		
	32.2 सभा में द्रौपदी के प्रश्नों ने सामाजिक मानदंडों की धारणाओं को फिर से परिभाषित कैसे किया? (1) उत्तर : एक दासत्व स्वीकार करने वाला पुरुष किसी और (अपनी पत्नी) को दाँव पर नहीं लगा सकते |		
	32.3 "द्रौपदी का चरित्र विभिन्न गुणों को दर्शाता था|" किन्हीं दो की व्याख्या कीजिए। (2) उत्तर : (i) उसका एक मजबूत चरित्र है - अपने अधिकारों के लिए लड़ना। (ii) महिलाओं को अन्याय के बारे में प्रश्न पूछने का अधिकार है। (iii) वह बड़ों-पितृसत्ता पर सवाल उठा रही है।		
33	***दिए गए स्रोत को ध्यानपूर्वक पढिए और इसके नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए :*** **"हम सिर्फ़ नकल करने वाले नहीं हैं"** 13 दिसंबर, 1946 को अपने प्रसिद्ध भाषण में जवाहरलाल नेहरू ने यह कहा था: ...हमने एक स्वतंत्र संप्रभु गणराज्य की स्थापना का दृढ़ और पवित्र संकल्प लिया है। भारत का संप्रभु होना नियत है | इसका स्वतंत्र होना और गणराज्य होना भी स्वाभाविक है... |कुछ मित्रों ने सवाल उठाया है: "आपने यहाँ 'लोकतांत्रिक' शब्द क्यों नहीं रखा |" मैंने उन्हें कहा है कि निस्संदेह यह सोचा जा सकता है कि कोई गणराज्य लोकतांत्रिक न हो परंतु हमारा पूरा इतिहास इस तथ्य का साक्षी है कि हम लोकतांत्रिक संस्थानों के ही पक्षधर हैं | स्वाभाविक है कि हमारा लक्ष्य लोकतंत्र है | लोकतंत्र से कम कुछ भी नहीं| यह लोकतंत्र कैसा होगा, उसकी शक्ल सूरत कैसी होगी, यह एक अलग मसला है? आज के लोकतंत्रों ने दुनिया की प्रगति में जबरदस्त भूमिका निभाई है और उनमें से बहुत सारे यूरोप तथा अन्य स्थानों के देश हैं| परंतु यह संदेहजनक हो सकता है कि अगर उन्हें पूरी तरह लोकतांत्रिक बने रहना है तो न जाने कब उन लोकतंत्रों को अपनी शक्ल सूरत थोड़ी बहुत बदलनी पड़ती| मैं आशा करता हूँ कि किसी कथित लोकतांत्रिक देश की एक खास लोकतांत्रिक प्रणाली या किसी संस्थान विशेष की हम सिर्फ नकल करने वाले नहीं हैं| हो सकता है हम उससे बेहतर कुछ रच दें |बहरहाल, किसी भी सूरत में, हम यहाँ जैसी चाहें सरकार बनाएँ, वह हमारे लोगों के स्वभाव के अनुरूप और उनको स्वीकार्य जरूर होनी चाहिए| हम लोकतंत्र के हक में हैं| यह इस सदन को तय करना है कि इस	पृष्ठ 411	1+1+2 =4

	लोकतंत्र, पूर्णतम लोकतंत्र का स्वरूप कैसा होगा| सदन इस बात को देख सकता है यद्यपि इस प्रस्ताव में हमने "लोकतांत्रिक" शब्द का इस्तेमाल नहीं किया है क्योंकि हमें लगा कि यह तो स्वाभाविक ही है कि "गणराज्य" शब्द में यह शब्द पहले ही निहित होता है	इसलिए हम अनावश्यक और अनुपयोगी शब्दों का प्रयोग नहीं करना चाहते थे| हमने शब्दों के उपयोग मात्र से कहीं ज्यादा ध्यान दिया है	हमने इस प्रस्ताव में लोकतंत्र की अंतर्वस्तु प्रस्तुत की है| बल्कि लोकतंत्र की ही नहीं, आर्थिक लोकतंत्र की अंतर्वस्तु प्रस्तुत की है	अन्य सदस्यों को इस बात पर आपत्ति हो सकती है कि इस प्रस्ताव में हमने भारत को एक समाजवादी राज्य बनाने का उल्लेख क्यों नहीं किया है	यहाँ मेरा केवल इतना ही कहना है कि मैं समाजवाद का समर्थक हूँ और मुझे आशा है कि एक दिन भारत भी समाजवाद के पक्ष में होगा और वही भारत एक समाजवादी राज्य की स्थापना के मार्ग पर चलेगा और मुझे पूरा विश्वास है कि एक दिन पूरी दुनिया को इसी मार्ग पर चलना होगा | स्रोत :संविधान सभा बहस (CAD),खंड I		
	33.1 नेहरू ने प्रस्ताव में 'लोकतांत्रिक' शब्द क्यों शामिल नहीं किया? (1) उत्तर: (i) नेहरू ने "लोकतांत्रिक" शब्द का प्रयोग नहीं किया है क्योंकि उन्होंने यह सोचा कि "गणराज्य" शब्द में यह शब्द पहले ही निहित होता है| (ii) वे अनावश्यक शब्दों और अनुपयोगी शब्दों का प्रयोग करना नहीं चाहते थे|		
	**33.2 प्रस्ताव में आर्थिक लोकतंत्र के महत्व का विश्लेषण कीजिए	(1)** उत्तर: (i) भारतीय संविधान का उद्देश्य होगा कि लोकतंत्र के उदारवादी विचारों और आर्थिक न्याय के समाजवादी विचारों का एक-दूसरे में समावेश किया जाए (ii) भारतीय संदर्भ में इन विचारों की रचनात्मक व्याख्या की जाए		
	**33.3 समाजवाद पर जवाहरलाल नेहरू के विचारों का विश्लेषण कीजिए	(2)** (i) उन्होंने समाजवाद का समर्थन किया	 (ii) उन्हें उम्मीद थी कि भारत समाजवाद के लिए खड़ा होगा	 (iii) भारत एक समाजवादी राज्य के गठन की ओर अग्रसर होगा	 (iv) उनका मानना था कि पूरी दुनिया उसी रास्ते पर चलती है। (कोई दो बिंदु)		
	खंड ङ **(मानचित्र-आधारित प्रश्न)**	**3+2=5**	
34	**(34.1) भारत के दिए गए राजनीतिक रेखा- मानचित्र (पृष्ठ 23 पर) में, निम्नलिखित को उपयुक्त चिह्नों से अंकित कीजिए और उनके नाम लिखिए:**		

	(i) कालीबंगा – विकसित हड़प्पा पुरास्थल (ii) कौशाम्बी – अशोक के अभिलेख (iii) (क) कलकत्ता - अंग्रेजों के अधीन शहर अथवा (iii) (ख) लखनऊ - अंग्रेजों के अधीन शहर संलग्न मानचित्र देखें	पृष्ठ. 2 पृष्ठ. 30, 43 पृष्ठ 297 पृष्ठ 297	1 1 1 1
	(34.2) भारत के इसी राजनीतिक रेखा- मानचित्र पर मुग़ल साम्राज्य से संबंधित दो स्थानों को A और B के रूप में चिह्नित किया गया है। है। इनकी पहचान और उनके सही नाम उनके निकट खींची गई रेखाओं पर लिखिए। **संलग्न मानचित्र देखें**	पृष्ठ 214	2
	नोट : निम्नलिखित प्रश्न केवल दृष्टिबाधित परीक्षार्थियों के लिए प्र० सं० 34 के स्थान पर हैं:		
	(34.1) मुगलों के अधीन किन्हीं दो क्षेत्रों के नाम लिखिए । उत्तर : पानीपत, आगरा, अजमेर, आमेर, गोवा, दिल्ली या कोई अन्य मुग़लों के अधीन क्षेत्र (किन्हीं दो स्थानों का नाम)	पृष्ठ.214	2
	(34.2) 1857 के विद्रोह के किन्हीं दो केन्द्रों के नाम लिखिए । उत्तर : दिल्ली, मेरठ, लखनऊ, आगरा, झांसी, कलकता या 1857 के विद्रोह के केन्द्र (किन्हीं दो स्थानों का नाम)	पृष्ठ.297	2
	(34.3) (क) हड़प्पा के किसी एक विकसित पुरास्थल का नाम लिखिए । उत्तर : मोहनजोदड़ों, हड़प्पा, कालीबंगन, लोथल, बनावली, राखीगढ़ी या कोई अन्य हड़प्पा पुरास्थल (किसी एक का नाम) **अथवा** **(34.3) (ख) प्राचीन भारत के किसी एक महाजनपद का नाम लिखिए।** उत्तर : मगध, कोशल, पांचाल, अंग, कुरु, गांधार या कोई अन्य महाजनपद का नाम (किसी एक का नाम)	पृष्ठ. 2 पृष्ठ. 30	1 1

कृपया संलग्न मानचित्र देखें

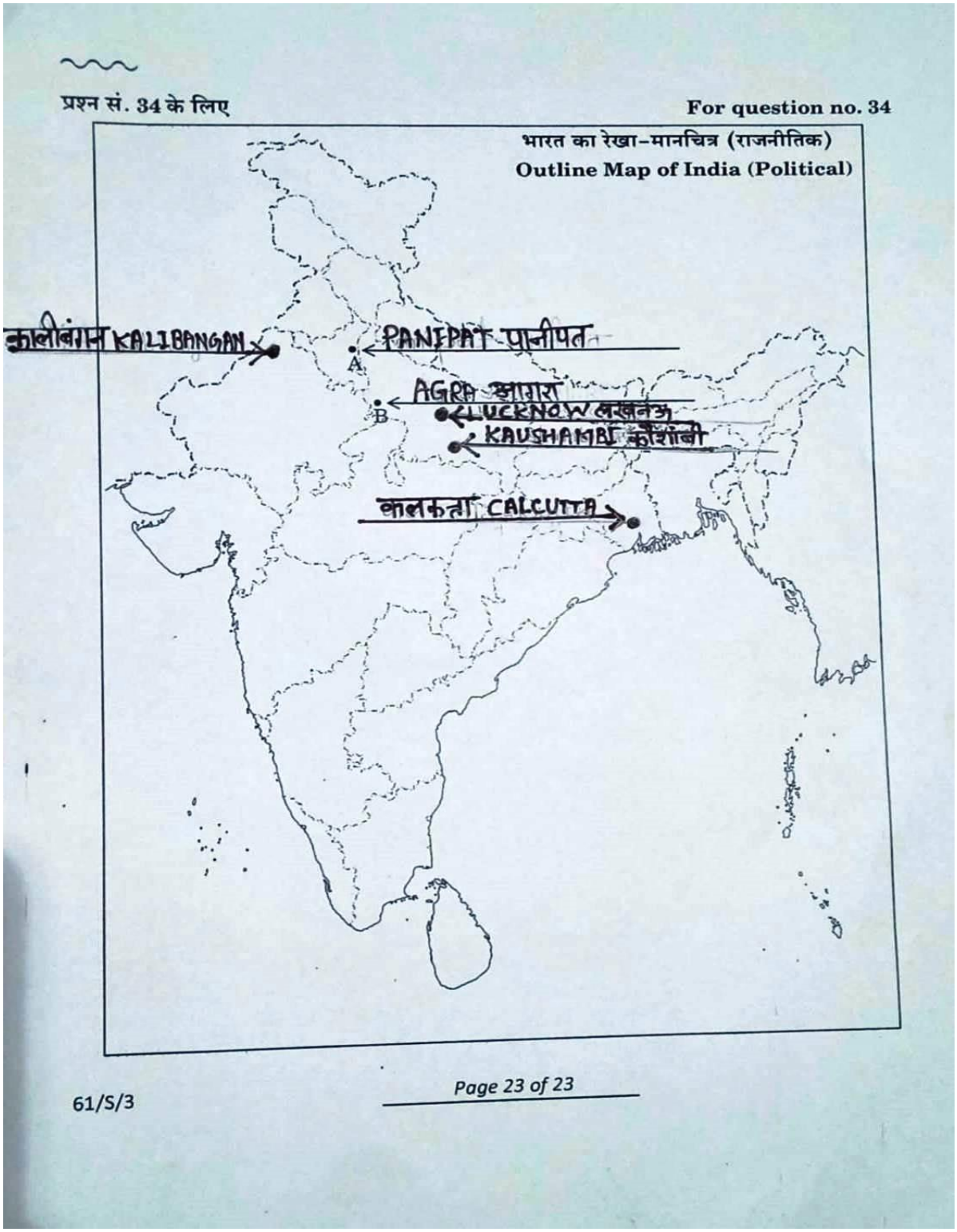

Marking Scheme
Strictly Confidential
(For Internal and Restricted use only)
Senior Secondary School Supplementary Examination, 2024
SUBJECT NAME: HISTORY (027)SUBJECT CODE , PAPER CODE 61/S/3

General Instructions:

1	You are aware that evaluation is the most important process in the actual and correct assessment of the candidates. A small mistake in evaluation may lead to serious problems which may affect the future of the candidates, education system and teaching profession. To avoid mistakes, it is requested that before starting evaluation, you must read and understand the spot evaluation guidelines carefully.
2	**"Evaluation policy is a confidential policy as it is related to the confidentiality of the examinations conducted, Evaluation done and several other aspects. Its' leakage to public in any manner could lead to derailment of the examination system and affect the life and future of millions of candidates. Sharing this policy/document to anyone, publishing in any magazine and printing in News Paper/Website etc may invite action under various rules of the Board and IPC."**
3	Evaluation is to be done as per instructions provided in the Marking Scheme. It should not be done according to one's own interpretation or any other consideration. Marking Scheme should be strictly adhered to and religiously followed. **However, while evaluating, answers which are based on latest information or knowledge and/or are innovative, they may be assessed for their correctness otherwise and due marks be awarded to them. In class-XII, while evaluating competency-based questions, please try to understand given answer and even if reply is not from marking scheme but correct competency is enumerated by the candidate, due marks should be awarded.**
4	The Marking scheme carries only suggested value points for the answers. These are in the nature of Guidelines only and do not constitute the complete answer. The students can have their own expression and if the expression is correct, the due marks should be awarded accordingly.
5	The Head-Examiner must go through the first five answer books evaluated by each evaluator on the first day, to ensure that evaluation has been carried out as per the instructions given in the Marking Scheme. If there is any variation, the same should be zero after deliberation and discussion. The remaining answer books meant for evaluation shall be given only after ensuring that there is no significant variation in the marking of individual evaluators.
6	Evaluators will mark(√) wherever answer is correct. For wrong answer CROSS 'X" be marked. Evaluators will not put right (✓)while evaluating which gives an impression that answer is correct and no marks are awarded. **This is most common mistake which evaluators are committing.**
7	If a question has parts, please award marks on the right-hand side for each part. Marks awarded for different parts of the question should then be totalled up and written in the left-hand margin and encircled. This may be followed strictly.
8	If a question does not have any parts, marks must be awarded in the left-hand margin and

	encircled. This may also be followed strictly.
9	If a student has attempted an extra question, answer of the question deserving more marks should be retained and the other answer scored out with a note **"Extra Question"**.
10	No marks to be deducted for the cumulative effect of an error. It should be penalized only once.
11	A full scale of marks _____80_____(example 0 to 80/70/60/50/40/30 marks as given in Question Paper) has to be used. Please do not hesitate to award full marks if the answer deserves it.
12	Every examiner has to necessarily do evaluation work for full working hours i.e., 8 hours every day and evaluate 20 answer books per day in main subjects and 25 answer books per day in other subjects (Details are given in Spot Guidelines).
13	Ensure that you do not make the following common types of errors committed by the Examiner in the past:- Giving more marks for an answer than assigned to it. ● Wrong totalling of marks awarded on an answer. ● Wrong transfer of marks from the inside pages of the answer book to the title page. Wrong question wise totalling on the title page. ● Leaving answer or part thereof unassessed in an answer book. ● ● Wrong totalling of marks of the two columns on the title page. ● Wrong grand total. ● Marks in words and figures not tallying/not same. ● Wrong transfer of marks from the answer book to online award list. ● Answers marked as correct, but marks not awarded. (Ensure that the right tick mark is correctly and clearly indicated. It should merely be a line. Same is with the X for incorrect answer.) ● Half or a part of answer marked correct and the rest as wrong, but no marks awarded.
14	While evaluating the answer books if the answer is found to be totally incorrect, it should be marked as cross (X) and awarded zero (0)Marks.
15	Any un assessed portion, non-carrying over of marks to the title page, or totaling error detected by the candidate shall damage the prestige of all the personnel engaged in the evaluation work as also of the Board. Hence, in order to uphold the prestige of all concerned, it is again reiterated that the instructions be followed meticulously and judiciously.
16	The Examiners should acquaint themselves with the guidelines given in the "**Guidelines for spot Evaluation**" before starting the actual evaluation.
17	Every Examiner shall also ensure that all the answers are evaluated, marks carried over to the title page, correctly totalled and written in figures and words.
18	The candidates are entitled to obtain photocopy of the Answer Book on request on payment of the prescribed processing fee. All Examiners/Additional Head Examiners/Head Examiners are once again reminded that they must ensure that evaluation is carried out strictly as per value points for each answer as given in the Marking Scheme.

SET - **61/S/3**
MARKING SCHEME 2024
HISTORY (027) MM: 80

S.NO	Value Points	Pg.. No.	Marks
	SECTION A **(Multiple Choice Type Questions)**	**21x1=21**	
1	(B) Italy	Pg. 127	1
2	(C) Mansabdari System	Pg. 214	1
3	(B) Francois Bernier	Pg. 130-131	1
4	(A) Both Assertion (A) and Reason (R) are true and Reason (R) is the correct explanation of the Assertion (A).	Pg. 170	1
5	(D) I, II and III	Pg. 92	1
6	(D) 700	Pg. 7	1
7	(A) Lion Capital For Visually Impaired (B) Shaka king, Rudradaman	Pg. 32 Pg. 38	1 1
8	(A) Prabhavati Gupta	Pg. 40	1
9	(A) Rajagaha	Pg. 31	1
10	(B) Semi-arid land	Pg. 3	1
11	(D) Kunwar Singh	Pg. 262	1
12	(D) Gandhiji saw the Charkha as a symbol of self-reliance	Pg. 292	1
13	(D) Gopal Krishan Gokhale	Pg. 287	1
14	(C) Rajendra Prasad	Pg. 320	1
15	(A) Delhi	Pg. 258 & 262	1
16	(D) It highlighted the exploitative nature of the British towards people of Damin-e-Koh	Pg. 242	1
17	(D) Shaikh Nizamudin Auliya	Pg. 155 & 158	1
18	(B) III and IV	Pg. 161	1
19	(A) Beginning with a question	Pg. 117	1
20	(A) Krishnadeva Raya	Pg. 173	1
21	(D) Jawaharlal Nehru	Pg. 320	1

	Section B **(Short-Answer Type Questions)** **6x3=18**		
22	**(a) Describe any three features of the Mahajanapadas.** Three features of Mahajanapadas: i. Most Mahajanapadas were ruled by kings, ii. Some, known as ganas or sanghas, were oligarchies, where power was shared by a number of men. iii. Rajas controlled resources such as land. iv. Each Mahajanapada had a capital city. v. Capital city was fortified. vi. Maintaining fortified cities, armies and officers required resources. vii. Any other relevant point Any three to be assessed	Pg. 29	3
	OR		
	(b) Describe any three causes of the growth of Magadha as a powerful Mahajanapada. Causes of the growth of Magadha power: i. Region of Magadha had fertile soil and agriculture was productive. ii. Iron mines were accessible and provided resources for tools and weapons. iii. Elephants, an important component of the army were found in forests in the region. iv. Ganga and its tributaries provided a means of cheap and convenient communication. v. Bimbisara, Ajatasattu and Mahapadma Nanda were ambitious and powerful rulers whose policies led to growth of Magadha. vi. Rajagaha, capital of Magadha was a fortified settlement. vii. Later the capital was shifted to Pataliputra. viii. Any other relevant point Any three to be assessed.	Pg. 31	3
23	**Describe the notion of saviour in Hinduism.** **Notion of saviour in Hinduism.** i. Puranic traditions within Hinduism began to grow alongside Jainism and Buddhism. ii. In Vaishnavism Vishnu was worshipped as the main God. iii. In Shaivism Shiva was regarded as the chief God. iv. There was growing emphasis on the worship of a chosen deity. v. Bond between the devotee and the God was of love & devotion, or bhakti. vi. Ten avatars of Vishnu were recognized within the tradition and cults developed around them. vii. God was considered as a saviour of the world. viii. These forms were represented in sculptures. ix. Stories of these Gods are given in the Puranas. x. Any other relevant point. Any three to be assessed.	Pg. 104-105	3
24	**Examine the features of Vitthala Temple of Vijayanagara empire.** Features of Vitthala Temple: i. The principal deity was Vitthala, a form of Lord Vishnu.	Pg. 188	3

	ii. This temple had several halls. iii. Its unique shrine was designed as a chariot. iv. An important feature of the temple complex is the chariot street that extended from the temple gopurams in a straight line. v. The street was paved with stone slabs and lined with pillared pavilions. vi. Any other relevant point. Any three to be assessed.		
25	**(a) Analyse the growth of the Mughal Empire in managing their economic resources.** The growth of Mughal Empire in managing their resources is as follows: i. The abundance of land, available labour and the mobility of peasants accounted for the expansion of agriculture. ii. Agriculture was labour intensive, but peasants used technologies that often harnessed cattle energy. iii. There were two major seasonal cycles, the kharif (autumn) and the rabi (spring). iv. Most regions, except the most arid or inhospitable, produced a minimum of two crops a year (do-fasla). v. Areas where rainfall or irrigation provided continuous supply of water, even gave three crops. This ensured an enormous variety of produce. vi. Land revenue was the mainstay of the Mughal Empire. vii. It was vital for the state to create an administrative apparatus to ensure control over agricultural production, and to fix and collect revenue from across the empire. viii. This apparatus included the office (daftar) of the diwan who was responsible for supervising the fiscal system of the empire. ix. Revenue officials and record keepers became a decisive agent in shaping agrarian relations. x. The land revenue arrangements consisted of two stages – first assessment and then actual collection. xi. The jama was the amount assessed, while hasil was the amount collected. xii. Vibrant trade brought in huge amounts of silver bullion into India. xiii. This was good for India as it did not have natural resources of silver. xiv. The period between the sixteenth and eighteenth centuries was marked by a remarkable stability in the availability of metal currency, particularly the silver rupiya in India. xv. This led to minting of coins and the circulation of money in the economy. xvi. The Mughal state was able to collect taxes and revenue in cash. xvii. Any other relevant point Any three to be assessed.	Pg.198-200,213,215,216	3
	OR		
	(b) Analyse the role of women as a resource in the agrarian society of the Mughal Empire. Role of women as a resource in the Mughal agrarian society is as follows: i. Men tilled and ploughed, while women sowed, weeded, threshed and winnowed the harvest. ii. A gendered segregation between the home (for women) and the world (for men) was not possible in this context.	Pg. 206-207	3

	iii. Biases related to women's biological functions continued. Menstruating women were not allowed to touch the plough or the potter's wheel in western India, or enter the groves where betel-leaves (*paan*) were grown in Bengal. iv. Artisanal tasks- spinning yarn, sifting and kneading clay for pottery, and embroidery was dependent on female labour. v. The more commercialised the product, the greater the demand for women's labour to produce it. vi. Peasant and artisan women worked in the fields and in the houses of their employers. vii. They went to the markets if necessary. viii. Women were important as child bearers in a society dependent on labour. ix. Mortality rates among women were high due to malnutrition, frequent pregnancies, death during childbirth which led to shortage of wives. x. Social customs in peasant and artisan communities were distinct from those prevalent among elite groups. xi. Marriages in rural communities required the payment of bride-price rather than dowry to the bride's family. xii. Remarriage was legitimate among divorced and widowed women. xiii. Since women were important as reproductive force, control over them was great. xiv. Household was headed by a male and women were kept under strict control by the male members of the family and the community. xv. Any other relevant point Any three to be assessed.		
26	**"Mahatma Gandhi's role was vital the Non-Cooperation Movement." Explain the statement.** Role of Gandhiji in Non-Cooperation Movement i. Gandhiji led this movement taking up the causes of - Rowlatt Act, Jallianwala Bagh Tragedy ii. Gandhiji joined hands with the Khilafat movement to bring Hindus & Muslims together to end the colonial rule iii. Boycott, Swadeshi, Satyagraha and non-violence were advocated by Gandhiji to mobilize the movement. iv. Peaceful demonstrations were carried out under the leadership of Gandhiji. v. Gandhiji asked students to stop attending schools and colleges. vi. Lawyers refused to attend courts. vii. Peasants stopped paying taxes. viii. Workers went on strike. ix. Peasants in Kumaun refused to the carry loads of colonial officials. x. According to the American Biographer Louis Fischer, Non-cooperation became an epoch in the life of India and Gandhiji. xi. The movement shook the foundation of British Raj for the first time. xii. Any other relevant point. Any three to be assessed.	Pg. 290-291	3
27	**Explain any three aspects of 'the Azamgarh Proclamation of 1857'.** **Aspects of the Azamgarh Proclamation of 1857.** i. The vision of unity was clearly visible in the proclamations and ishtahars. ii. For example, the Azamgarh Proclamation of 25th August,	Pg. 271-274	3

	1857. iii. The rebels tried to get the support of all sections of the society irrespective of their caste and creed. iv. They presented the memories of the pre British Hindu-Muslim past. v. The proclamation issued by Bahadur Shah appealed to the people to fight in the name of both Muhammad and Mahavir. vi. Rebels declared that the British policies dispossessed landlords, peasants, weavers, artisans, Indian sepoys. vii. They rejected everything associated with British rule. viii. They expressed the fear that British were destroying their religion by converting them into Christianity. ix. They condemned the British for the annexations & the treaties they had broken. x. They wanted to restore the previous order and livelihood to be secure. xi. People were urged to fight unitedly to save their livelihood, fate, honour, identity. xii. It was a fight for common good. xiii. Any other relevant point. Any three to be assessed.		
	Section C **(Long-Answer Type Questions)** **3x8=24**		
28	**(a) "There is evidence that by c. 1800 BCE most of the Harappan sites had been abandoned."** **Substantiate the statement in the context of causes and evidences.** **Causes** i. By c. 1800 BCE most of the Mature Harappan sites in regions of Cholistan were abandoned. ii. They expanded into new settlements in Gujarat, Haryana and western UP. iii. There were climatic changes. iv. Area got deforested. v. There were excessive floods vi. Shifting and/or drying up of rivers vii. Overuse of the landscape. viii. Perhaps the Harappan state came to an end. ix. Theory of invasion given by J.Marshall (Deadman's Lane)&R.E.M.Wheeler (Vedic reference) x. Any other relevant point. **Evidences** Transformation (decline) of material culture is evident in: i. Disappearance of the distinctive artefacts– weights, seals, beads. ii. Writing, long-distance trade, and craft specialisation disappeared. iii. Far fewer materials were used to make far fewer things. iv. House construction techniques deteriorated. v. Large public structures were no longer produced. vi. Shift from standardised weights to the use of local weights. vii. Decline and abandonment of cities. viii. Shift to a rural way of life in the Late Harappan period. ix. Any other relevant point. Any eight to be assessed.	Pg.17-18	8

	OR		
	(b) "There are indications of complex decisions being taken and implemented in Harappan society." **Substantiate the statement with suitable arguments.** i. There is uniformity of Harappan artefacts – pottery, seals, weights and bricks. ii. Bricks, throughout, were of uniform ratio. iii. Settlements were set up in specific locations for getting raw material. iv. Craft centres flourished v. Labour was mobilised for making bricks and construction of massive walls and platforms. vi. The town planning - division of town as citadel and lower town indicates decision making. vii. The excellent drainage system. viii. Palace- A large building found at Mohenjodaro was labelled as a palace by archaeologists but no spectacular finds were associated with it. ix. Priest-King- A stone statue from Mohenjodaro is called the "priest-king" as it seemed similar to Mesopotamian history and its "priest-kings" x. Equal Status - Some archaeologists say that Harappan society had no rulers, that everybody enjoyed equal status. xi. Several Rulers - Some opine that Harappan civilization did not have a single ruler. Mohenjodaro and Harappa had separate rulers. xii. Single State - given the similarity in artefacts, evidence of town planning, standardized bricks, establishment of settlements near sources of raw materials, some archaeologists argue that Harappan sites were a part of one single state. xiii. As of now, the last theory is most acceptable. xiv. It is unlikely that entire communities collectively made and implemented such complex decisions. xv. Any other relevant point. Any eight to be assessed.	Pg.. 16-17	8
29	**(a) How did Bernier's description present the scenario of Indian Society? Examine.** i. Crown ownership of land ii. Indian society consisted of undifferentiated masses of poor people iii. They were dominated by rich and powerful ruling class. iv. There was no middle class in India. v. Mughal king was a king of beggars and barbarians. vi. Indian economy and society was in ruins. vii. Due to crown ownership, the peasants could not pass the land to their children. viii. They did not want to invest in agriculture. ix. Due to absence of private property there were no "improving" landlords. x. Agriculture was ruined. xi. Peasants were oppressed. xii. Decline in the living standard of people. xiii. Any other relevant point. Any eight to be assessed.	Pg. 130-132	8

	OR		
	(b) Examine Bernier views on the Mughal Empire. i. Crown ownership of land. ii. Indian society consisted of undifferentiated masses of poor people. iii. They were dominated by rich and powerful ruling class. iv. There was no middle class in India. v. Mbeggars and barbarians ughal king was a king of. vi. Indian economy and society was in ruins. vii. Owing to crown ownership, the peasants could not pass the land to their children. viii. They did not want to invest in agriculture. ix. Due to absence of private property there were no "improving" landlords. Agriculture was ruined. x. Peasants were oppressed. xi. Decline in the living standard of people. xii. He observed that artisans who worked in royal karkhanas were lazy. xiii. He described Mughal cities as camp towns. xiv. Practice of Sati horrified him. xv. Any other relevant point. Any eight to be assessed.	Pg. 130-135	8
30	**(a) Analyse the different aspects of the 'Permanent Settlement'.** i. Permanent Settlement was introduced in 1793. ii. Zamindar was not a landowner but revenue collector of the state. iii. Revenue demand was fixed to ensure regular income. iv. Permanent settlement curtailed the power of zamindars to control them. v. British believed it would improve agriculture. vi. Zamindars failed to pay the revenue demand. vii. British hoped that zamindars would also be loyal to the Company. viii. Zamindars lost their power to organise local justice. ix. Any other relevant point. Any eight to be assessed	Pg. 228-230	8
	OR		
	(b)Analyse the reasons of cotton boom in Bombay Deccan during 1830 to 1860. i. In 1861 American Civil War broke out. ii. Raw cotton imports from America declined in Britain. iii. British turned to India for supply of raw cotton. iv. Cotton merchants encouraged cotton cultivation. v. Merchants gave advances to urban sahukars who in turn gave credit to money lenders. vi. Money lenders gave loans to ryots to secure cotton production. vii. The ryots were given Rs.100 as advance to grow cotton. viii. Between 1860-64 cotton production doubled. ix. 90% of cotton imports to Britain were coming from India. x. Any other relevant point Any eight to be assessed	Pg. 249-252	8

	SECTION D **(Source-Based Questions)**		**3x4=12**
31	**Read the given source carefully and answer the questions that follow :** **Shastras or devotion?** This is a verse composed by Appar, a Nayanar saint : O people who quote the law books, Of what use are your gotra and kula? Just bow to Marperu's lord (Shiva who resides in Marperu, in Thanjavur, Tamil Nadu) as your sole refuge.	Pg. 144	1+1+2 =4
	31.1 Who were the Nayanars? (1) Ans: Devotee of Shiva		
	31.2 Who was considered as the sole refuge? (1) Ans: Lord Shiva		
	31.3 Explain the views of Appar on Bhakti. (2) Ans. (i) They were against untouchability and caste system. (ii) Keep faith only in Lord Shiva. (iii) Any other relevant point.		
32.	**Read the given source carefully and answer the questions that follow :** **Draupadi's question** Draupadi is supposed to have asked Yudhisthira whether he had lost himself before staking her. Two contrary opinions were expressed in response to this question. One, that even if Yudhisthira had lost himself earlier, his wife remained under his control, so he could stake her. Two, that an unfree man (as Yudhisthira was when he had lost himself) could not stake another person. The matter remained unresolved; ultimately, Dhritarashtra restored to the Pandavas and Draupadi their personal freedom.	Pg.68	1+1+2 =4
	32.1 What was Draupadi's question to the Assembly? (1) Ans: She asked Yudhisthira if he had lost himself before staking her.		
	32.2 How did Draupadi's questions in the assembly redefine the notions of societal norms? (1) Ans: (i) An unfree husband could not stake his wife.		
	32.3 "Draupadi's character represented various virtues." Explain any two. (2) Ans: (i) She has a strong character - fighting for her rights. (ii) Women have the right to ask questions about injustice. (iii) She is questioning the elders – patriarchy.		

33	**Read the given source carefully and answer the questions that follow :** **"We are not going just to copy"** This is what Jawaharlal Nehru said in his famous speech of 13 December, 1946 : ...We say that it is our firm and solemn resolve to have an independent sovereign republic. India is bound to be sovereign, it is bound to be independent and it is bound to be a republic… Now, some friends have raised the question: "Why have you not put in the word 'democratic' here?" Well, I told them that it is conceivable, of course, that a republic may not be democratic but the whole of our past is witness to this fact that we stand for democratic institutions. Obviously we are aiming at democracy and nothing less than a democracy. What form of democracy, what shape it might take is another matter? The democracies of the present day, many of them in Europe and elsewhere, have played a great part in the world's progress. Yet it may be doubtful if those democracies may not have to change their shape somewhat before long if they have to remain completely democratic. We are not going just to copy, I hope, a certain democratic procedure or an institution of a so-called democratic country. We may improve upon it. In any event whatever system of government we may establish here must fit in with the temper of our people and be acceptable to them. We stand for democracy. It will be for this House to determine what shape to give to that democracy, the fullest democracy, I hope. The House will notice that in this Resolution, although we have not used the word "democratic" because we thought it is obvious that the word "republic" contains that word and we did not want to use unnecessary words and redundant words, but we have done something much more than using the word. We have given the content of democracy in this Resolution and not only the content of democracy but the content, if I may say so, of economic democracy in this Resolution. Others might take objection to this Resolution on the ground that we have not said that it should be a Socialist State. Well, I stand for Socialism and, I hope, India will stand for Socialism and that India will go towards the constitution of a Socialist State and I do believe that the whole world will have to go that way.	Pg.322-324	1+1+2 =4
	33.1 Why did Nehru not include the word 'Democratic' in the Resolution? (1) Ans: i. It was not used because it was included in the word Republic. ii. We stand for democratic institutions. iii. We did not want to use unnecessary words and redundant words. Any one to be assessed		
	33.2 Analyse the significance of economic democracy in the resolution. (1) Ans: i. The significance of economic democracy is to fuse the liberal ideas of democracy with the socialist idea of economic justice. ii. To re-adapt and re-work these ideas within the Indian context. Any one to be assessed		
	33.3 Analyse Jawaharlal Nehru's views on Socialism. (2) Ans: i. He supportedSocialism. ii. Hehoped India will stand for Socialism. iii. India will go towards the Constitution of a Socialist State, promoting equality, justice and a fair society. iv. H ebelieved that the whole world will go that way. Any twoto be assessed		

	SECTION E **(Map-Based Questions)**		**5x1=5**
34	**34.1 On the given outline map of India (on page 23), locate and label the following with appropriate symbols:** (i) Kalibangan – Mature Harappan site (ii) Kaushambi – Ashokan Inscription (iii) (a) Calcutta – A city under the British **OR** (iii) (b) Lucknow – A city under the British	Pg.2 Pg.43 Pg. 267,275 Pg. 267,275	1 1 1 1
	34.2 On the same outline map of India, two places related to the Mughal Empire are marked as A and B. Identify them and write their correct names on the lines drawn near them. A- Panipat B- Agra	Pg. 214	2
	Note: The following questions are for the Visually Impaired Candidates only, in lieu of Q. No. 34:		
	(34.1) Name any two territories under the Mughals. Panipat, Agra, Ajmer, Amber, Goa, Delhi (Any two or any other territory of Mughals)	Pg.214	2
	(34.2) Mention any two centres of Revolt of 1857. Delhi, Meerut, Lucknow, Agra, Jhansi, Calcutta (Any two or any other centre of the revolt of 1857)	Pg. 267,275	2
	34.3 (a) Mention any one mature site of Harappa. Mohenjodaro, Harappa, Kalibangan, Lothal,Banawali, Rakhigarhi (Any one) **OR** **34.3 (b) Mention the name of any one Mahajanapada of ancient India.** Magadha,Kosala, Panchala, Anga, Kuru, Gandhara (Any one)	Pg. 2 Pg. 30	1 1
PLEASE SEE ATTACHED MAP			

प्रश्न सं. 34 के लिए

For question no. 34

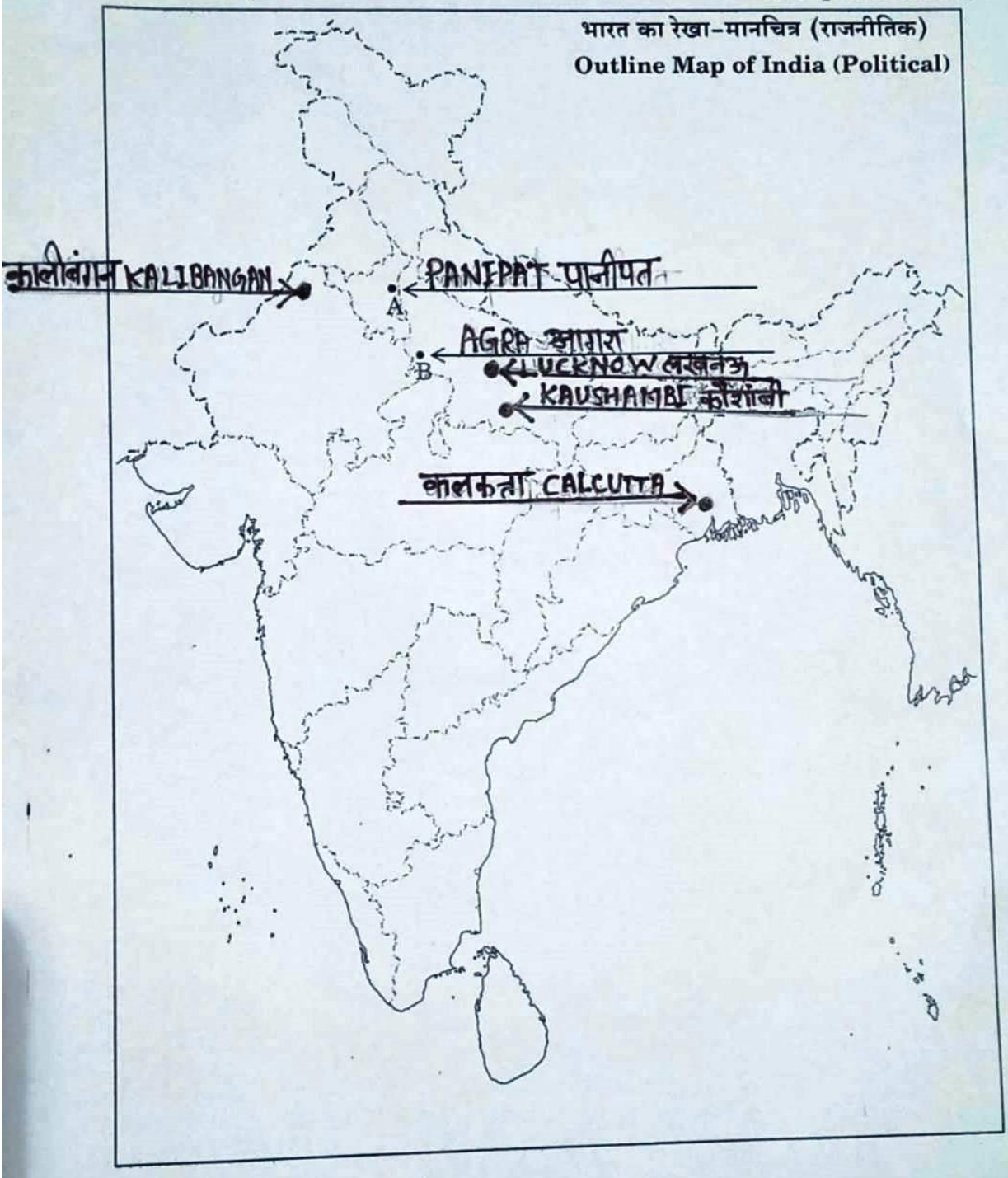

61/S/3

Page 23 of 23